उरमूल रूरल हैल्थ रिसर्च एण्ड डवलपमेंट ट्रस्ट, बीकानेर

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

अप्रेल 2019–मार्च 2020

उरमूल भवन, रोडवेज बस स्टेण्ड के पास, बीकानेर
फोन नम्बर : 0151–2523093, **website** : urmul.org
Email : urmultrust@rediffmail.com, mail@urmul.org

कार्यक्रम विवरण

क.स.	विषय	पेज नम्बर
1.	चाइल्ड हैल्प लाइन–1098 Child India Foundation	1–2
2.	किशोर एवं किशोरियों के विकास अवसर हेतु अभियान एवं पैरवी UNICEF	3–7
3.	गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से बालिकाओं का सशक्तिकरण Save the Children Fund	8–10
4.	राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम Sightsavers	11–13
5.	महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र Govt.of Rajasthan	14–15
6.	कशीदाकारी क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम CAF-Charities Aid Foundation	16–17
7.	मॉडल फार्म विकास एवं टिकाऊ खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम CAF-Charities Aid Foundation	18–20
8.	राष्ट्रीय डेयरी विकास परियोजना,NDP-1 NDDB-World Bank	21–23
9.	उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम USHA International	24–25
10.	स्वास्थ्य एवं पोषण पहल कार्यक्रम ASHOKA Innovaters	26–27
11.	प्रज्जवला परियोजना Centre for Enviornment Education-CEE	28–30
12.	गर्ल्स नॉट ब्राईड्स कार्यक्रम Girls not Brides(GNB)	31–33
13.	रेलवे स्टेशन बाल सहायता केन्द्र–1098 Child India Foundation	34–35
14.	पारम्परिक चारागाह मार्गो को पुर्नजीवित करना Food and Agriculture Organization(FAO)	36–37
15.	मरूगंधा परियोजना HDFC Bank-CSR	38–42
16.	शादी : बच्चों का खेल नहीं Save the Children Fund	43–45
17.	मरूधर में जन स्वावलम्बन कार्यक्रम EU-Unnati	46–47
18.	द कैमल पार्टनरशिप कार्यक्रम FWWB	48
19.	एनर्जी इनोवेशन्स इन डेजर्ट इको सिस्टम SELCO Foundation	49

चाइल्ड हैल्प लाइन,1098

परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर जिला
वितीय सहयोग	चाइल्ड लाइन इण्डिया फाउण्डेशन
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2011
सहयोगी संस्थाएं	डरमूल सेतु, लूणकरणसर, उरमूल सीमान्त,बज्जू, उरमूल ज्योति, नोखा
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

परियोजना का संक्षिप्त परिचय :

उरमूल ट्रस्ट, बीकानेर द्वारा अगस्त 2011 से बीकानेर जिले के शहरी एवं ग्रामीण अंचलो में अपनी सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर चाइल्ड लाइन 1098 का संचालन किया जा रहा है। चाइल्ड लाइन की शुरूआत से ही बीकानेर के शहरी एवं दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में चाइल्ड लाइन का प्रचार प्रसार टीम के द्वारा नियमित व लगातार किया जा रहा है। जिससे क्षेत्र के लोगो में इस कार्यक्रम में बारे में जागरूकता आई है और इसका परिणाम है कि हर गुमशदा, पीडित व समस्याग्रस्त बच्चों की जानकारी तुरन्त 1098 पर चाइल्ड लाइन को मिल रही है। इसके साथ साथ बीकानेर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रो से बाल विवाह रूकवाने के लिए जन समुदाय व स्वंय बालक–बालिकाओं के संदेश चाइल्ड लाइन को प्राप्त होने लगे है। इस प्रकार से चाइल्ड लाइन की टीम बीकानेर जिले में पूर्ण सक्रियता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्य उद्देश्य :

- किसी भी पीडित बच्चे व जन समुदाय के द्वारा दी गई सूचना को प्राप्त कर कम से कम समय में बच्चें तक पहुंचना और उसकी सहायता करना।
- समस्याग्रस्त व असामाजिक गतिविधियो में लिप्त बच्चों का मार्गदर्शन व सहयोग करना तथा सलाह देना।
- चाइल्डलाइन निःशुल्क फोन सेवा 1098 का प्रचार–प्रसार करना।
- बाल मजदूर, संरक्षण और देखभाल के लिए जरूरत मंद बच्चों की पहचान करना व इसकी सूचना समवर्गी विभागो को देना।
- बच्चों के लिए काम कर रहे विभागो से समन्वयन स्थापित करना।
- बाल मजदूरी में लिप्त बच्चों को मुक्त करवाना।
- समस्याग्रस्त, पीडित और शोषण के शिकार बच्चों को मुक्त करवाना व समवर्गी विभागो के सहयोग से पुर्नवासित करवाना तथा निरंतर उनका फॉलोअप करना।
- जरूरत मंद बच्चों को सरकार के द्वारा संचालित सेवाओं से जोडकर लाभान्वित करवाना।
- दर्ज किये गये प्रत्येक मामले का तत्काल फॉलोअप करना।
- चाइल्डलाइन में स्वैच्छिक सेवा देना वाले व्यस्क/विद्यार्थीयों को साथ जोड़ना।
- प्रत्येक बच्चें को आदर एवं आत्म सम्मान देना व दिलवाना।

1098 पर प्राप्त कॉल का विवरण :

केस प्रकार	अप्रेल 2019–मार्च 2020	
1. हस्तक्षेप / सहायता	अप्रेल–मार्च 2020	कुल
चिकित्सकीय सहायता	40	40
आश्रय	03	03
आवासीय बच्चों के परिवार से सम्पर्क		
पुनर्वास	06	06
शोषण से रक्षा	212	212
मृत्यु सम्बधित		
स्पॉनसरशिप	320	320
2. गुमशुदा बच्चो के मामले	.	.
लापता बच्चें	16	16
बच्चों के परिजनो द्वारा मांगी गई सहायता	34	34
3. भावनात्मक सहायता एवं मार्गदर्शन	186	186
कुल 1 से 3 तक	**817**	**817**
4. अन्य प्रकार	**203**	**203**
5. सूचना	890	890
सूचना व अन्य प्रकार की सेवाओं के लिए	3348	3348
चाइल्डलाइन के बारे में जानकारी	710	710
प्रशासनिक कॉल	154	154
कुल – 3 से 5 तक	**6122**	**6122**

दर्ज मामलों का विवरण : माह, अप्रेल 2019–मार्च 2020 तक चाइल्डलाइन में कुल 817 मामले दर्जहुएं । इन में से 811 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। अभी केवल 06 मामले शेष है। जिनका फॉलोअप नियमित रूप से लिया जा रहा है।

गुमशुदा मामलो का विवरण : माह, अप्रेल 2019–मार्च 2020 तक चाइल्डलाइन द्वारा बाल कल्याण समिति के माध्यम से 16 गुमशुदा बालक–बालिकाओं को आश्रय दिलवाया गया। जिस में से 14 बच्चों को परिजनो से मिलवा कर अपने अपने घर भिजवा दिया गया है तथा अभी 02 गुमशुदा बच्चा आश्रय स्थल पर है।

पुर्नवास विवरण : माह, अप्रेल 2019–मार्च 2020 तक स्थानीय किशोर गृह व बालिका गृह में आश्रय पाएं 14 बालक–बालिकाओं का पुर्नवास चाइल्ड लाइन के सहयोग से करवा कर उन्हे अपने अभिभावकों के साथ घर भेजा गया जहां के वह निवासी थे। इसके साथ ही 02 बच्चों को अस्थाई आश्रय दिलवा कर पुर्नवास किया गया है।

आउटरीच गतिविधियां : माह, अप्रेल 2019–मार्च 2020 तक चाइल्ड लाईन टीम के द्वारा कुल 242 आउटरीच गतिविधियो का संचालन किया गया। जिसमें विद्यालय, अस्पताल, बस अड्डे एवं जिले के अन्य सार्वजनिक स्थल शामिल है।

बैठक गतिविधियां : कोलेब स्टाफ बैठक 32 सप्ताहिक, 12 मासिक, बाल कल्याण समिति बैठक 10 सप्ताहिक, 09 मासिक, किशोर गृह 20 सप्ताहिक, 07 मासिक, बालिका गृह 26 साप्ताहिक, 06 मासिक एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई के साथ 43 मासिक बैठकों को आयोजन किया गया।

किशोर–किशोरियों को विकास के अवसर के लिए अभियान व पैरवी कार्यक्रम

परियोजना का नाम	लाडो परियोजना
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर एवं जोधपुर जिला
वितीय सहयोग	यूनिसेफ, राजस्थान
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2017
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

प्रदेश में व्याप्त बाल विवाह प्रथा को जड़ से समाप्त करने के हेतु अगस्त 2017 से बीकानेर के ब्लांक, बीकानेर एवं श्रीडूंगरगढ के 129 गांव व जोधपुर के ब्लॉक फलौदी व लोहावट के 116 गांवों में किया जा रहा है।

परियोजना का उद्देश्य :

1. किशोर–किशोरियों को विकास के समान अवसर दिलाने के लिए पैरवी करना।
2. किशोर–किशोरियों का क्षमतावर्द्धन करना ताकि वे स्वयं अपने बदलाव के एजेन्ट बन सके।
3. बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारों की सुनिश्चितता के लिए बाल संरक्षण समिति गठन।
4. जानकारी हेतु आवश्यक सूचनाओं व साक्ष्यों को सही तरीके से समय पर प्राप्त करना।
5. किशोर–किशोरियों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी एवं नीतिगत स्तर पर पैरवी करना।
6. समाज में व्याप्त बाल विवाह प्रथा का रोकथाम व समाप्त करना।
7. जन समुदाय को बाल विवाह से होने वाले नुकसान व असर के बारे में जानकारी देना।
8. किशोर–किशोरियों को बाल विवाह प्रथा को समाप्ति एवं अपने अधिकार हेतु तैयार करना।
9. पंचायतीराज संस्थाओं को बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों को मिटाने के लिए प्रशिक्षण देना।
10. धर्मगुरूओं, समाज के मौजिज व्यक्तियों का बाल विवाह रोकथाम व समाप्ति हेतु प्रशिक्षण करना।

परियोजना के तहत आयोजित की गई गतिविधियों का विवरण :

किशोरी समूह गठन व बैठकों में भागीदारी : गठित समूहों में विद्यालय से वंचित बालिकाओं को जोड़ा गया। समूह गठन व समूहों की बैठकों में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	समूह गठन	सदस्य संख्या	बैठक भागीदारी	संभागी
1.	बीकानेर	120	1229	1343	15400
2.	जोधपुर	12	159	164	2749
कुल		**132**	**1388**	**1508**	**18143**

किशोर समूह गठन व मासिक बैठकों में भागीदारी : कार्यक्षेत्र में गठित किशोर समूह की मासिक बैठकों में भाग लिया गया। गठित समूहों एवं बैठकों में भागीदारी का विवरण इस प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	समूह गठन	सदस्य संख्या	बैठक संख्या	संभागी
1.	बीकानेर	64	693	402	4459
2.	जोधपुर	09	119	47	1017
कुल		**73**	**812**	**449**	**5476**

अभिभावक समूह गठन व मासिक बैठकों में भागीदारी : गठित अभिभावक समूह बैठकों में बच्चों को शाला से जोड़ने, बाल विवाह की रोकथाम चर्चा की गई। गठित समूह व बैठकों का विवरण निम्न है :

क.स.	जिले का नाम	समूह गठन	सदस्य संख्या	बैठक संख्या	संभागी
1.	बीकानेर	05	60	53	662
2.	जोधपुर	04	51	83	1411
कुल		**09**	**111**	**133**	**2073**

बाल अधिकार क्लब का गठन : बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार, जयपुर के निर्देशानुसार गठित बाल क्लब सदस्यों को बाल संवाद पुस्तिका वितरित की। बाल क्लब का विवरण निम्न है :

क.स.	जिले का नाम	क्लब संख्या	सदस्य संख्या
1.	बीकानेर	62	1250
2.	जोधपुर	35	500
कुल		**97**	**2050**

बाल अधिकार क्लब की बैठकों का आयोजन : बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार गठित बाल अधिकार क्लबों की बैठकों में भाग लिया। बैठकों का विवरण इस प्रकार है :

क.स.	जिले का नाम	बैठक संख्या	सदस्य संख्या
1.	बीकानेर	232	7402
2.	जोधपुर	46	676
कुल		**378**	**8076**

बाल विवाह विषयक पंचायत बैठक व बाल संरक्षण समिति आमुखीकरण : बाल विवाह विषयक बैठकें कर आमुखीकरण किया व बाल विवाह रोकने की शपथ दिलवाई। संभागियों का विवरण इस प्रकार से है :

क्र.स.	जिले का नाम	बैठक एवं आमुखीकरण संख्या	संभागी विवरण		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	बीकानेर	26	140	370	510
2.	जोधपुर	21	126	560	686
कुल		**47**	**266**	**930**	**1196**

जीवन कौशल प्रशिक्षण : कार्यक्षेत्र में गठित बालिका मंच की बालिकाओं में से चयनित बालिकाओं के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षण में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है

क.स.	जिले का नाम	कार्यक्रम संख्या	संभागी विवरण		
			महिलाए	बालिकाए	कुल
1.	बीकानेर	26	16	625	641
2.	जोधपुर	33	186	745	931
	कुल	**49**	**202**	**1370**	**1572**

बालिका मंच की बालिकाओं की खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन : प्रतिवेदन अवधि में बालिका मंच लाडो की बालिकाओ के साथ खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई। सहभागिता का विवरण प्रकार है :

क.स.	जिले का नाम	प्रतियोगिता कि संख्या	बलिकाओं की संख्या
1	बीकानेर	21	272
2	जोधपुर	19	295
कुल		**40**	**567**

फ्न्टलाईन वर्कर कार्यशाला : फ्न्टलाईन वर्कर की जानकारी हेतु एक–एक दिवसीय कार्यशाला की गई। आयोजित कार्यशालाओं का विवरण निम्न प्रकार है :

क.स.	जिले का नाम	कार्यशाल संख्या	संभागी संख्या
1.	बीकानेर	06	226
2.	जोधपुर	07	429
कुल		**13**	**655**

सेवा प्रदाताओं क्षमतावर्द्धन कार्यशाला :

क.स.	जिले का नाम	कार्यशाल संख्या	संभागी संख्या
1.	बीकानेर	02	146
2.	जोधपुर	02	161
कुल		**04**	**307**

जिला स्तरीय कार्यशाला :

क.स.	जिले का नाम	कार्यशाल संख्या	संभागी संख्या
1.	बीकानेर	02	80
2.	जोधपुर	01	347
कुल		**03**	**447**

बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत की घोषणा :

क.स.	जिले का नाम	बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत	संभागी संख्या
1	बीकानेर	01	600
2	जोधपुर	02	975
कुल		**03**	**1575**

पंचायत समिति स्तरीय एक दिवसीय बालिका मेला :

क.स.	जिले का नाम	स्थान	संभागी संख्या
1	बीकानेर	बिश्नोई धर्मशाला,धर्मशला,बीकानेर	130
2	जोधपुर	लोहावट	166
कुल			**299**

विद्यालय स्तर पर बालक–बालिकाओं व अध्यापकों का आमुखीकरण :

क.स.	जिले का नाम	विद्याल संख्या	बच्चों की संख्या	अध्यापकों की संख्या	कुल
1.	बीकानेर	72	8350	206	8856
2.	जोधपुर	56	7521	197	7718
	कुल	**138**	**15871**	**403**	**16574**

आखातीज एवं पीपल पूर्णिमा पर बाल विवाह रोकथाम जागरूकता अभियान 1–20 मई 2019 :

क.स.	जिले का नाम	कार्यक्रम संख्या	संभागी पुरूष	संभागी महिला	कुल संभागी संख्या
1	बीकानेर	69	1619	2869	4488
2	जोधपुर	49	1134	2126	3260
कुल		**118**	**2753**	**4995**	**7748**

बाल दिवस सप्ताह (14–20 नवम्बर 2019) का आयोजन :

क.स.	जिले का नाम	कार्यशाला संख्या	संभागी संख्या
1.	बीकानेर	10	2710
2.	जोधपुर	13	1741
कुल		**23**	**3451**

ओपन बोर्ड कोचिंग सेन्टर :

क.स.	जिले का नाम	कार्यक्रम संख्या	संभागी संख्या
1	बीकानेर	04	103
कुल		**04**	**103**

गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से वंचित बालिकाओं का सशक्तिकरण

परियोजना का नाम	गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से वंचित बालिकाओं का सशक्तिकरण
परियोजना का कार्यक्षेत्र	जोधपुर जिला
वितीय सहयोग	बल रक्षा भारत–एस.सी.एफ.–राजस्थान
परियोजना प्रारम्भ	सितम्बर 2017
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

संस्था के द्वारा. सितम्बर 2017 से गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से वंचित बालिकाओं का सशक्तिकरण परियोजना का संचालन जोधपुर जिले के 9 ब्लॉक मण्डोर, लूणी, बालेसर, शेरगढ, फलौदी, बाप, ओसिया भोपालगढ एवं बिलाडा में कस्तूरबा गॉधी बालिका आवासीय विधालयों के साथ किया जा रहा है।

परियोजना का उद्देश्य :

- समाज में बालिका शिक्षा को बढावा देना।
- शिक्षा से वंचित बालिकाओं को उनकी उम्र के अनुसार कक्षा में प्रवेश का अधिकार दिलवाना।
- शाला प्रबन्धन समितियों को बालिका षिक्षा के प्रति जबाबदेह बनाना।
- बालिकाओं को पढाये जाने वाले विषयों व जेण्डर पर मजबूत समझ बनाना।
- बालिका उच्च शिक्षा हेतु अभिभवकों को प्रेरित करना व बालिकाओं को योजनाओं की जानकारी।
- बालिकाओं में अपने भविष्य के प्रति निर्णय लेने के लिए आत्मविश्वास को बढाना।
- बालिकाओं को बिना किसी भेदभाव के समानता के अवसर प्रदान करने के लिए शाला प्रबन्धन समितियों एवं अभिभावकों में माहौल पैदा करना।

परियोजना के तहत आयोजित की गई गतिविधियों का विवरण निम्न प्रकार से है :

बेसलाईन सर्वे अपडेशन : जोधपुर जिले के 9 कस्तूरबा गॉधी बालिका आवासीय विधालय में बालिकाओं का स्तर जानने के लिए बेसलाईन सर्वे किया गया। सर्वे में स्तर आंकलन का विवरण इस प्रकार है :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी संख्या	विवरण			
			कुल बालिका	बेसलाइन किया	कमजोर स्तर	स्तर में सुधार की बालिका
1.	जोधपुर	09	926	349	311	301
कुल		**09**	**926**	**349**	**311**	**301**

अभिभावक व अध्यापक बैठकों का आयोजन : 9 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विधयालय में अभिभावक व अध्यापक बैठकों का आयोजन करके बेसलाइन सर्वे को शेयर। बैठक भागीदारी विवरण :

क.स.	जिले का नाम	बैठकों की संख्या	संभागियों का विवरण		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	जोधपुर	03	194	203	397
कुल		**03**	194	203	397

अकादमिक कार्य में सहयोग : कमजोर स्तर वाली 311 बालिकाओं के साथ शिक्षिकाओं को साथ लेकर पाठ योजना बनाकर कार्ययोजना का निर्माण करवाया गया। जिसका विवरण इस प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	अकादमीक कार्ययोजना की बालिकाएं	अकादमीक कार्य के बाद सुधार वाली बालिकाएं
1.	जोधपुर	301	301
कुल		**311**	**301**

जिला स्तर समीक्षा बैठकों में भागीदारी : केजीबीवी जिला स्तर समीक्षा बैठकों में भाग लेकर केजीबीवी में शैक्षिक गतिविधियों में सुधार हेतु सयुंक्त कार्ययोजना तैयार की। बैठकों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	बैठकों की संख्या	संभागियों का विवरण		
			केजीबीवी प्र.अ.	जिला अधिकारी	कुल
1.	जोधपुर	05	42	11	53
कुल		**05**	**42**	**11**	**53**

बालिकाओं का जीवन कौशल प्रशिक्षण : जीवन कौशल एवं जेण्डर पर समझ विकसित व मजबूत करने के लिए 2 दिवसय प्रशिक्षण आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	कजीबीवी संख्या	उपस्थित बालिका
1.	जोधपुर	09	907
कुल		**09**	**907**

विद्यालय प्रबंधन समिति आमुखीकरण : केजीबीवी की प्रबंधन समिति का बालिका शिक्षा व केजीबीवी में भूमिका के मुद्दो पर आमुखीकरण किया गय। आमुखीकरण में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है।

क.स.	जिले का नाम	प्रशिक्षण संख्या	संभागियों का विवरण		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	जोधपुर	02	76	49	125
कुल		**02**	**76**	**49**	**125**

शिक्षिकाओं का विषयगत व जेण्डर पर आमुखीकरण : शिक्षिकाओं के प्रभावी शिक्षण हेतु 01 दिवसीय आमुखीकरण का आयोजन जयपुर में किया। आमुखीकरण में भाग लेने वालो का विवरण इस प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	प्रशिक्षण संख्या	संभागियों का विवरण		
			शिक्षिका	अकादमिक फैलो	कुल
1.	जोधपुर	01	34	04	38
कुल		**01**	**34**	**04**	**38**

स्कूल स्तर पर बैठको का आयोजन : बालिका शिक्षा की उपयोगिता व योजना के प्रचार प्रसार के लिये समुदाय के मौजिज लोगों के साथ बैठको का आयोजन। बैठक उपस्थिति का विवरण :

क.स.	जिले का नाम	बैठकों की संख्या	संभागियों का विवरण		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	जोधपुर	09	566	139	705
कुल		**09**	**566**	**139**	**705**

बालिका भ्रमण कार्यक्रम आयोजन : 7 केजीबीवी की बालिकाओं को स्थानीय स्थलों की जानकारी, तर्कशक्ति को बढ़ाने के लिए भ्रमण करवाया गया। भ्रमण कार्यक्रम में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार है :

क.स.	जिले का नाम	भ्रमण संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	शिक्षिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	07	542	19	561
कुल		**07**	**542**	**19**	**561**

अन्तर्राष्ट्रीय बाल दिवस सप्ताह : अन्तर्राष्ट्रीय बाल दिवस सप्ताह में भागीदारी विवरण इस प्रकार है :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी की संख्या	संभागियों का विवरण		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	जोधपुर	09	637	201	838
कुल		**09**	**637**	**201**	**838**

राष्ट्रीय बालिका दिवस :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी की संख्या	संभागियों का विवरण		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	जोधपुर	06	533	219	752
कुल		**06**	**533**	**219**	**752**

विज्ञान व गणित किट वितरण :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी की संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	शिक्षिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	09	926	34	960
कुल		**09**	**926**	**34**	**960**

थियेटर प्रशिक्षण :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी की संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	अध्यापिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	09	584	28	612
कुल		**09**	**584**	**28**	**612**

पुस्तकालय उपयोग आदत विकसित :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी की संख्या	कुल नामांकन	पुस्तकालय की पुस्तक पढने वाली बालिकाएं	शेष नही पढने वाली
1.	जोधपुर	09	926	785	141
कुल		**09**	**926**	**785**	**141**

ललिता बाबू प्रशिक्षण : :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी की संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	अध्यापिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	09	149	26	175
कुल		**09**	**149**	**26**	**175**

शैक्षिक बालिका मेले :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी व स्कूल संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	अध्यापिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	40	3594	158	3752
कुल		**40**	**3594**	**158**	**3752**

शारदे छात्रावास में कोचिंग व्यवस्था

क.स.	जिले का नाम	शारदे छात्रावास संख्या	अध्ययन वाली बालिकाओं का विवरण		
			कक्षा 9	**कक्षा 10**	कुल
1.	जोधपुर	09	282	327	609
कुल		**09**	**282**	**327**	**609**

कॅरियर कॉउसलिंग प्रशिक्षण :

क.स.	जिले का नाम	शारदे छात्रावास से जुडी स्कुलों की संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	**शिक्षिकाएं**	**कुल**
1.	जोधपुर	09	983	566	1549
कुल		**09**	**983**	**566**	**1549**

राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम

परियोजना का नाम	राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	ब्लांक, बीकानेर, श्रीडूंगरगढ, कोलायत, लूणकरणसर एवं नोखा
वितीय सहयोग	साईटसेवर्स इन्टरनेशनल
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2014
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

कार्यक्रम के प्रमुख उद्‌देश्य

- विकलोगो को आजीविका से जोडकर सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना।
- विकलांग अधिकार मंच का सशक्तिकरण।
- क्षेत्र में विकलांगो के अनुकुल वातारण तैयार एवं स्थापित करना।

जिले के 5 ब्लॉक में कुल चिन्हित विकलांगो की संख्या :

क.स.	विवरण	लाभान्वितों की संख्या		
		पुरूष	महिला	कुल
1.	दृष्टिहीन	274	157	431
2.	अल्पदृष्टि	201	65	266
3.	लोकोमोटर	3842	1490	5332
4.	एम.आर.	500	212	712
5.	सी.पी.	79	34	113
6.	डैफ/डम/एच.आई.	424	192	616
7.	मल्टी डिसऐबल	187	100	287
8.	अन्य	03	01	04
कुल		**5510**	**2251**	**7761**

समुदाय के साथ बैठको का आयोजन : समुदाय को दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगी बनाने के लिए समुदाय के साथ बैठकों का आयोजन कर जानकारी दी गई। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	ब्लॉक संख्यां	बैठक संख्यां	लाभार्थी		
				पुरूष	महिला	कुल
1.	बीकानेर	05	235	4417	3569	7986
कुल		**05**	**235**	**4417**	**3569**	**7986**

जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजन : दिव्यांग के लिए संचालित परियोजना के बारे में जनप्रतिनिधियों को जानकारी देकर संवेदनशील बनाने तथा दिव्यांग के लिए ग्राम पंचायत के माध्यम से सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के द्वारा लाभान्वित किये जाने के साथ ही दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के मुख्य प्रावधानों के बारे में जानकारी देकर जागृत करने का प्रयास किया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	ब्लॉक संख्यां	बैठक संख्यां	लाभार्थी		
				पुरूष	महिला	कुल
1.	बीकानेर	05	114	1446	586	1962
कुल		**05**	**114**	**1446**	**586**	**1962**

आर्थिक पुर्नवास/आजीविका से जोडे गये दिव्यांगजनों का विवरण : दिव्यांगों को आजीविका से जोडकर आर्थिक रूप से सशक्तिकरण की प्रक्रिया के तहत सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जोडकर लाभान्वित करवाने के साथ ही इन्हे आजीविका का कार्य शुरू करवाया गया। प्रतिवेदन अवधी में आजीविका का कार्य शुरू करवाये गये दिव्यांगों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	ब्लॉक संख्या	आजीविका से जोडे गये विकलांगों की संख्या			विशेष विवरण
			पुरूष	महिला	कुल	आजीविका से जोडने के तहत इस अवधी में दिव्यांगों को मनिहारी दुकान, स्टेशनरी व जनरल स्टोर, किराणा व परचून की दुकान, पशुआहार की दुकान, सिलाई कार्य, इलेक्ट्रीशियन का कार्य, कृषि कार्य एवं पशुपालन कार्य के लिए प्रशिक्षित करके कार्य शुरू करवाया गया है। दिव्यांग आजीविका का कार्य प्रभावी ढंग से कर रहे है।
1.	बीकानेर	05	38	07	45	
कुल		**05**	**38**	**07**	**45**	

विकलांग मंच की ब्लॉक स्तरीय बैठकों का विवरण :

क.स.	जिले का नाम	ब्लॉक संख्या	बैठक संख्या	सम्भागियों की संख्या		
				पुरूष	महिला	योग
1.	बीकानेर	05	62	985	195	1180
कुल		**05**	**62**	**985**	**195**	**1180**

विकलांग मंच की जिला स्तरीय बैठकों का विवरण : बीकानेर जिले में गठित जिला विकलांग अधिकार मंच के सदस्य की त्रैमासिक बैठक का आयोजन जिला स्तर पर किया जाता है। जिसमें मुख्य रूप से संमीक्षा, समस्या निराकरण व नियोजन किया जाता है। बैठक में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	ब्लॉक संख्या	बैठक संख्या	सम्भागियों की संख्या		
				पुरूष	महिला	योग
1.	बीकानेर	05	04	44	20	64
कुल		**05**	**04**	**44**	**20**	**64**

स्वंय सहायता समूहों के लिए आयोजित प्रशिक्षणों का विवरण : गठित स्वयं सहायता समूहों में से 22 समूहों के लिए सामूहिक आजीविका गतिविधि करने के लिए बीकानेर जिले के बीकानेर, लूणकरणसर, श्रीडूंगरगढ, कोलायत एव नोखा ब्लॉक के 22 स्वयं सहायता समूहों के लिए 02 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	प्रशिक्षण का नाम	आयोजित प्रशिक्षण संख्या	सम्भागियों की संख्या		
			पुरूष	महिला	योग
1.	सर्फ बनाना एवं बिक्री करना	13	58	13	71
2.	चायपती तैयार एवं बिक्री करना	04	23	04	27
3.	मसाला उधोग	04	19	04	23
4.	कपडे के थैले बनाना	01	05	00	05
कुल		**22**	**105**	**21**	**126**

जिला विकलांग अधिकार मंच के लिए आयोजित प्रशिक्षणों का विवरण : जिला विकलांग अधिकार मंच के सदस्यों की क्षमतावर्द्धन हेतु जिले के 05 ब्लॉक में विभिन्न चरणों में प्रशिक्षणों का आयोजन कर दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के बारे में प्रशिक्षित किया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	प्रशिक्षण का नाम	आयोजित प्रशिक्षण संख्या	सम्भागियों की संख्या		
			पुरूष	महिला	योग
1.	निःशक्तजन अधिकार अधिनियम 2016 एवं सतत् विकास लक्ष्य	101	2297	613	2910
कुल			**2297**	**613**	**2910**

सरकारी सेवाओं से जोडे गये लाभार्थियों का विवरण : अप्रेल 2019–मार्च 2020

क.स.	विवरण	लाभान्वितों की संख्या		
		पुरुष	महिला	कुल
1.	मेडिकल प्रमाण पत्र	52	23	75
2.	बी.पी.एल. कार्ड	11	04	15
3.	राशन कार्ड	26	10	36
4.	वोटर आई.डी.	79	27	106
5.	आधार कार्ड	75	32	107
6.	पालनहार	129	50	179
7.	पेशन	97	43	140
8.	बसपास	131	58	189
9.	रेलपास	38	08	46
10.	मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना ऋण	20	03	23
11.	प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित	14	04	18
12.	सहायक उपकरण उपलब्ध करवाएं	24	10	34
13.	बैंक खाते खुलवाएं	100	40	140
14.	विकलांग विवाह	26	12	38
15.	मनरेगा जॉब कार्ड	86	28	114
16.	मनरेगा में रोजगार	329	86	415
17.	आधार कार्ड	75	32	107
	कुल	**1312**	**470**	**1782**

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र

परियोजना का नाम	महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र
परियोजना का कार्यक्षेत्र	श्रीगंगानगर
वितीय सहयोग	महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019—मार्च 2020

प्रदेश में महिला उत्पीड़न के बढ़ते मामलों की रोकथाम और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत बीकानेर व जैसलमेर में उरमूल के द्वारा इन केन्द्रो का संचालन किया जा रहा है ।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र की मुख्य सेवाएं :

- पीडित महिला एवं अन्य सम्बन्धित व्यक्तियों के साथ विचार—विमर्श से समस्या का आकलन और समाधान करवाना।
- महिला की इच्छा पर सम्बन्धित प्रकरण में एफ.आई.आर दर्ज करवाना।
- जिला महिला सहायता समिति के माध्यम से महिला को उपयुक्त सहायता दिलवाना।
- घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में सहयोग करना। जहॉ किसी प्रत्यर्थी के लिए न्यायालय के द्वारा पारित संरक्षण आदेश की अवहेलना करे वहॉ प्रत्यर्थी के विरूद्ध पुलिस के माध्यम से कार्यवाही करवाना।
- चिकित्सा अथवा चिकित्सा प्रमाण पत्र हेतु सम्बन्धित अस्पताल को संदर्भित करना।
- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सेवाएं उपलब्ध करवाना।
- अधिसूचित आश्रय गृह में प्रवेश दिलवाना।स्थानीय स्तर पर आश्रय गृह उपलब्ध नहीं होने पर आपात स्थिति में अस्थायी परन्तु सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था करवाना।
- आकस्मिक व आपात स्थिति में पुलिस और संरक्षण अधिकारी के सहयोग से महिला के लिए सुरक्षा की व्यवस्था करवाना।
- महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र पर आने वाली प्रत्येक महिला प्रार्थी से वार्ता की गोपनीयता का को बनाये व ध्यान रखना।

श्रीगंगानगर केन्द्र : श्रीगंगानगर शहर के पुलिस थाना परिसर में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। इस केन्द्र पर माह, अप्रेल 2019 से मार्च 2020 तक कुल 46 घरेलू हिंसा से उत्पीडित महिलाओं को सलाह सहयोग व मार्गदर्शन किया गया है।

श्रीगंगानगर केन्द्र : श्रीगंगानगर शहर के पुलिस थाना परिसर में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। इस महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र के माध्यम से श्रीगंगानगर जिले में नियमित रूप से घरेलू हिंसा से उत्पीडित महिलाओं को सलाह, सहयोग व मार्गदर्शन किया गया है। इस महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र पर दर्ज परिवादों का विवरण निम्न प्रकार से देखा जा सकता है । जिसका विवरण इस प्रकार से है :

गतिविधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020 तक प्रकरण संख्या
व्यथित महिला को व्यक्तिगत सलाह ,मार्गदर्शन ,परामर्श	71
पारिवारीक सलाह ,मार्गदर्शन ,परामर्श	71
व्यथित महिला को उसके अधिकारों की जानकारी देना	71
कानूनी सलाह	46
एफ.आई.आर. दर्ज करवाने में सहयोग	04
वैवाहिक घर में रहने के व्यथित महिला के अधिकारों का संरक्षण	01
हिंसा मुक्त समाज बनाने के लिए की गई विचार गोष्ठियां,कार्यशाला	00
मेडिकल मुआयना करवाने में सहयोग	00
निराश्रय की अवस्था में आश्रय गृह में प्रवेश दिलाने में सहयोग/मार्गदर्शन	00
व्यथित महिला के बच्चों की अभिरक्षा में सहयोग	01
स्त्री धन वापसी में सहयोग	04
घरेलू हिंसा प्रकरणों में व्यथित महिला को घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 के अंतर्गत उचित सलाह ,मार्गदर्शन एवं सहायता	46
घरेलू घटना रिपोर्ट बनाने और न्यायालय में प्रस्तुत करने में सहयोग	00
दहेज प्रकरण में उचित कार्यवाही में सहयोग	04
पारिवारिक विघटन एवं तलाक जैसी परिस्थितियों में उचित मार्गदर्शन	03

इस प्रकार से इस केन्द्र पर उपरोक्त विवरण के अनुसार माह, अप्रेल 2019 से मार्च 2020 तक कुल 46 घरेलू हिंसा से उत्पीडित महिलाओं को सलाह, सहयोग व मार्गदर्शन करने के साथ–साथ केन्द्र के द्वारा क्षेत्र में महिलाओं को अपने हक, अधिकार एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर जागरूक करने का कार्य किया गया है।

मुख्यमंत्री हैल्प लाईन से प्राप्त परिवादों का निस्तारण :

उपरोक्त विवरण के परिवादों के अलावा श्रीगंगानगर जिले में संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र पर माननीय मुख्यमंत्री हैल्प के माध्यम से प्राप्त 58 परिवादों का फोलोअप करके इनका निस्तारण किया जाकर मुख्यमंत्री हैल्प लाईन को अवगत करवाया गया।

कशीदाकारी क्षमतावधर्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

परियोजना का कार्यक्षेत्र	ब्लॉक, कोलायत एवं बीकानेर, जिला–बीकानेर
वितीय सहयोग	कैफ (CAF)
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल 2016
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

ग्रामीण क्षेत्र के दस्ताकारों की क्षमतावर्धन के उददे्श्य से उरमूल ट्रस्ट, बीकानेर और कैफ के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन बीकानेर,जोधपुर एवं चूरू जिलों में किया जा रहा है।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

- 686 नए समुदाय के सदस्यों को कटाव, बीडवॉल, सिलाई, बंधेज एंव रंगाई के हस्तशिल्प कार्य से जोड़ना।
- 136 कारीगरों का उद्यम कौशल विकसित करना एंव बाजार व व्यापार की मुख्यधारा में एकीकृत करना।
- अधिक गतिशील और टिकाऊ विकास की दिशा में आजीविका की पहल के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मयम्मान और वित्तीय स्वंत्रता की ओर ले जाना।
- कारीगरों के व्यापार में वृद्वि और शिल्प अर्थव्यवस्था से उद्यमियों को लैस करके, शहरी केन्द्रों की और बढते ग्रामीण प्रयास को नियत्रित करना और कौशल की कमी को रोकने के प्रयास करना।
- ग्रामीण शिल्प कौशल में लगे समुदायों के सामाजिक विकास में सुधार।
- अपने प्रयासो की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए इस परियोजना के तहत प्रशिक्षण सभी कारीगरों के लिए नियमित काम सुनिश्चित करने के लिए नये मार्केटिग चैनल विकसित करना।

परियोजना के तहत किये गये कार्यो का विवरण :

- नियमित समुदाय की बैठको का आयोजन कर उनकी शक्तियों और कमजोरियों की पहचान के लिए आधारभूत सर्वेक्षण किया गया। इन में से चयनित लोगो में परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए कार्य योजना विकसित की तथा डेटा संग्रह के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान और कारीगरों के डिजिटल डेटाबेस तैयार किया गया।
- नये कारीगरों के लिए 15 दिवसीय ग्रामीण स्तर का प्रशिक्षण कटाव, क्रोशिया, ब्लॉकप्रिन्ट,बंधेज एवं बुनाई व रंगाई के लिए किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम सें 686 नए कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया।
- पुराने कारीगरों के नये उत्पादन बनाने के प्रशिक्षण का आयोजन विभिन्न चरणों में किया गया। जिसमें कढाई कारीगरों को कौशल सुधार के लिए प्रशिक्षित किया गया।

परियोजना के तहत आयोजित प्रशिक्षण के संभागीयों का विवरण : इस परियोजना के तहत माह, अप्रेल 2019–मार्च 2020 तक में चयनित गांवों के लोगो की दस्तकारी में क्षमतावर्द्धन एवं कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

कं सं	गॉव का नाम	प्रशिक्षण का विवरण	सम्भागी संख्या
1.	गोकुल	कटाव	30
2.	गिरराजसर	बंधेज	20
3.	21 सी.डब्बलू.बी.चारणवाला	मुकेश कशीदा	32
4.	जोधासर	कटाव	32
5.	सांखला बस्ती	कोशिया	93
6.	मोतासर	बंधेज	33
7.	फूलासर छोटा	मुकेश कशीदा	32
8.	2 जी.डी. घडसाना	बंधेज	32
9.	27 चक घडसाना	मुकेश कशीदा	45
10.	बज्जू	नया उत्पाद विकास	20
11.	रूणिया बास	बंधेज	35
12.	बज्जू–तेजपुरा	कम्पयूटर प्रशिक्षण	38
13.	9 सी.डब्बलू.एम.रावतसर	क्रोशिया	30
14.	गोकुल	बीडबाल	29
15.	बीठनोक	कोशिया व मुकेश कशीदा	57
16.	2 डी.ओ.	नया उत्पादन विकास	14
17.	रामडा	मुकेश कशीदा	30
18.	खीरसर	कटाव	30
19.	डण्डकला	बीडबाल	59
20.	डेली तलाई	गुणवता जॉच	17
21.	23 चक, रावतसर	क्रोशिया	36
22.	26 बी.एल.डी. दन्तौर	बुनाई	29
23.	बज्जू	उद्मिता विकास	30
24.	दिल्ली	एक्सपोजर विजिट	19
	कुल		**822**

मॉडल फार्म विकास एवं टिकाऊ खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम

परियोजना का कार्यक्षेत्र	कोलायत ब्लॉक, जिला–बीकानेर एवं जायल ब्लॉक, जिला–नागौर
वितीय सहयोग	कैफ (CAF)
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल 2016
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

मॉडल फार्म विकास एवं टिकाऊ कृषि के लिए किसानो को प्रशिक्षित करने के उददेश्य से कैफ के वितीय सहयोग से कार्यक्रम का संचालन बीकानेर जिले के ब्लॉक कोलायत व नागौर जिले में किया जा रहा है। संस्था के द्वारा अप्रेल 2016 से इस कार्यक्रम का संचालन बीकानेर जिले के ब्लॉक कोलायत के बज्जू क्षेत्र 20 गांवो तथा अप्रेल 2018 से नागौर जिले के 16 गॉवो में किया जा रहा है।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

- मॉडल फार्म तैयार एवं विकसित करना।
- वर्षा जल संरक्षण एवं सोलर ग्रिड की स्थापना करना।
- 550 किसानों को टिकाऊ एवं जैविक खेती के लिए प्रशिक्षित करना।
- जैविक एवं टिकाऊ खेती की व्यवहारिक जानकारी के लिए किसानो का भ्रमण करवाना।
- प्रशिक्षण के उपरान्त फार्म फिल्ड पर किसानो को व्यवहारिक रूप से जैविक एवं टिकाऊ खेती करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- जैविक खेती के लिए किसानों को मानसिक रूप से तैयार करके जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना।

कार्य किये जा रहे कलस्टर का विवरण : कार्यक्रम का संचालन बीकानेर व नागौर जिले के कुल 36 गांवो को 5 कलस्टर में विभाजित करके किया जा रहा। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	कलस्टर का नाम	गांवों की संख्या
1	चारणवाला	08
2	छिला कश्मीर	03
3	बज्जू	04
4	गिराजसर	05
5	झाड़ेली (नागौर)	16
	कुल	36

परियोजना के तहत किये गये कार्यो का विवरण :

डेयरी विकास कार्य छोटे स्तर पर : कम लागत वाली स्थानीय सामग्री और पारम्परिक संरचात्मक तकनीकों का उपयोग करके गायों हेतु हर मौसम से बचाव के उद्देश्य से उरमूल सीमान्त समिति, परिसर में एक 50 गुणा 30 साईज का अत्याधुनि छपरा निर्माण, छपरे में 20 गायों के लिये हॉल, 15 गुणा 20, बछड़ो लिये 15/15 का एक कक्ष का निर्माण किया गया। गाय छपरे में गौमूत्र इकट्ठा करने के लिये एक टैंक बनाया गया है जिसमें गायो के गौमूत्र संचय किया जाता है। वर्तमान में 11 गाये व 7 बछे–बछड़िया छपरे में रह रही है। डेयरी में 5 गायों से दूध प्राप्ति हो रही है तथा साथ ही गौमूत्र, गोबर, खाद के संकलन का कार्य किया जा रहा है।

खाद ईकाई की क्षमता में वृद्धि : पशुओं से प्राप्त हो रहे गोबर से वर्मी कम्पोस्ट बनाने का कार्य पिछले दो वर्षो से किया जा रहा है। इस कार्य में वृद्धि करने के उद्देश्य से एक सेण्ड सिंवर (खाद को छानने की मशीन) को लगाया गया है। यह मशीन हाथ से एवं बिजली दोनो मोड पर कार्य करती है।

ऑर्गनिक फर्टिलाईजर यूनिट : उरमूल फार्म हाउस व क्षेत्र के किसानों को ऑर्गनिक फर्टिलाईजर बनाने के तरीको के उद्देश्य से उरमूल परिसर, बज्जू में गाय छपरे के समीप एक यूनिट स्थापित की गई है। इस यूनिट में जीवाअमृत बनाने एव जैविक खाद बनाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है तथा साथ ही साथ व्यावहारिक रूप से किसानों को डेमो के रूप में इसका प्रदर्शन किया जा रहा है। कैचुआ खाद बनाने की मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मशीन से प्रतिदिन 20 क्विंटल खाद् बनायी जा सकती है।

अजोला पीट : बीकानेर और नागौर क्षेत्र के छोटे छोटे मार्जिनल महिला किसानों के खेतो व घरो में पशुपालन हेतु सप्लीमेंटरी आहार के रूप में अजोला के 50 पीट तैयार किये गये है। इन पीट से छोटे एवं बड़े पशुओं को 200 ग्राम से 1.00 किलोग्राम तक अजोला प्रतिदिन दिया जा रहा है। जिससे पशुओं में विटामिन, केल्सियम एवं आयरन की मात्रा को संतुलित के साथ दूध उत्पादन की ग्रोथ में मदद करता है।

ड्रिप सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि : उरमूल फॉर्म में वर्तमान में 4 बीघा क्षेत्र में ड्रिप इरिगेशन सिस्टम को लगाया गया है तथा साथ ही दक्षिण दिशा में 3 बीघा क्षैत्र को विकसित करने के उद्देश्य से 1000 मीटर लेजर स्प्रे पाईप को लगाने का कार्य किया जा रहा है।

मॉडल फार्म : उरमूल के बज्जू स्थित परिसर में एक मॉडल कृषि फार्म तैयार एवं विकसित किया गया। इस फार्म पर कम वर्षा से होने वाली फसलो एवं जैविक खेती के कार्य को क्षेत्र के किसानों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिए किया जा रहा है ताकि क्षेत्र का किसान इस मॉडल कृषि फार्म को देखकर जैविक खेती की ओर अग्रसर हो सके। इस मॉडल कृषि फार्म में 350 फलदार पौधो के साथ ही साथ खाली जगह में समय अनुसार चणा, मूली, बरसीम, जोई एवं बथुआ आदि की बुवाई कर फसल प्राप्त की जा रही है।

गायो हेतु हरा चारा प्रबन्धन विकास : उरमूल के बज्जू स्थित परिसर में डेयरी विकास को बढ़ावा एवं किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गाय को हरा चारा उपलब्ध कराने हेतु एक मॉडल के रूप में बरसिम व जोई उत्पादन का कार्य 2 बीघा जमीन में किया है।

किसान प्रशिक्षण : डेजर्ट रिर्सोस सेन्टर के तकनीकी सहयोग से टिकाऊ एवं जैविक खेती करने के उद्देश्य से क्षेत्र की महिला किसानों को परियोजना क्षेत्र नागौर की महिला किसानों तथा बज्जू क्षेत्र के किसानों को प्रशिक्षित किया गया है। इस प्रशिक्षण में जैविक खेती, जैविक खाद्य अजौला, एव पशुपालको को राठी गायो के दुध के बारे में विस्तृत जानकारी देकर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में सहभागिता का विवरण निम्न प्रकार से है :

गतिविधी	दिवस	लाभार्थियों की संख्या		लाभार्थी समुदाय
		पुरूष	महिला	
पशुपालक एवं किसान महिला समूह प्रशिक्षण 21–23 अगस्त 2019	03	05	100	बेसेरी, खारा मन्जरा, खारा मन्जरा तॅवरा, सोमना, चपरा जायल ब्लॉक नागोर
टिकाऊ कृषि प्रशिक्षण 17–19 जनवरी 2020	03	55	08	मिठड़िया, भलूरी, बज्जू तेजपूरा, बागड़सर, ग्राधी, बरसंलपुर, नाडा, नारायणसर, फूलासर बड़ा, कोलासर पश्चिम और बीठनोक
टिकाऊ कृषि प्रशिक्षण 17–19 फरवरी 2020	03	46	05	कोलासर पश्चिम, गौडू, फूलासर, सुखपुरा, माणकासर, भलूरी, तेजपुरा और गौगड़ियावाला
पशुपालको का प्रशिक्षण 17–19 फरवरी 2020	03	42	08	गौडू, फूलासर छोटा और बड़ा, रणजीतपुरा, माणकासर, कोलासर पश्चिम, ग्रधी, भलूरी और मिठड़िया

किसान क्लब बीज भंडार में किसानों के साथ बैठक : किसानों के द्वारा विभिन्न प्रकार से प्रशिक्षण प्राप्त करने एवं भ्रमण से मिली जानकारी से प्रेरित होकर बीज बैंक बनाया है। बीज बैंक के लिए प्रत्येक किसान ने अपनी हिस्सा राशि के रूप में 1000/–रूपये का योगदान किया है। ठोस रूप एवं सफल संचालन हेतु बीज बैंक से जुड़े 100 किसानो को प्रशिक्षण दिया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

गतिविधी	दिवस	लाभार्थियों की संख्या		लाभार्थी समुदाय
		पुरूष	महिला	
किसान क्लब बीज भंडार प्रशिक्षण, 18 मार्च 2020	01	60	40	गड़ियाला, पेथड़ासर,आरडी 931, 8 डीओबीबी, राववाला, बरसलपुर, 2 बीएलएम,माणकासर,बज्जू व भलूरी

बाहरी भ्रमण यात्रा :

दिनांक	यात्रा विषयक	स्थान	सीख
14–23 जुलाई 2019	कृषि खादय पदार्थ पद्रर्शिनी	बैग्लोर	दस्ताकार शिल्प हस्तकला के उत्पाद प्रदर्शिनी में किसानो के खाद्य उत्पाद की स्टॉल लगाई गई। जिसको मार्केटिंग से जोड़ना जैसे : केर, सागरी, काजर, बाजरा पान–मैथी गाय के देशी घी से निर्मित मिठाई आदि की उच्च स्तरीय पहचान के लिए भागीदारी रही।
13–27 अक्टूबर 2019	फार्म टू मार्केट	दिल्ली	दस्ताकार शिल्प हस्तकला के उत्पाद प्रदर्शिनी में किसानो के खाद्य उत्पाद की स्टॉल लगाई गई जिसको मार्केटिंग से जोड़ना जैसे : केर, सागरी, काजर, बाजरा पान–मैथी राठी गाय का देशी घी से निर्मित मिठाई आदि की उच्च स्तरीय पहचान के लिए भागीदारी रही।

जिंक युक्त गेहू वितरण : सीड बैक व सतत कृषि कार्यक्रम से जुड़ें किसानो को संस्था के सहयोग से 400 किलोग्राम गैहू का बीज जिंक एवं ऑग्रेनिक युक्त बज्जू कलस्टर के किसानो का उउलब्ध करवाया गया ताकि किसान स्वय के लिए खाने योग्य अच्छी किस्म का गेहू उत्पादन कर सके और आगामी साल के लिए अच्छा बीज का स्टोक कर अन्य किसानों को उपलब्ध करवाया जा सके।किसानो को बीज वितरण समय प्रशिक्षण दिया गया ताकि किसान किसी प्रकार की कीटनाशक दवाई का उपयोग न करे।

गतिविधी	दिवस	लाभार्थियों की संख्या		लाभार्थी समुदाय
		पुरूष	महिला	
किसान प्रशिक्षण एवं गेहू वितरण, 03 दिसम्बर 2019	01	65	35	मिठड़िया, भलूरी, ग्राधी, बरसंलपुर, फूलासर, चारणवाला, खारी, रणजीतपुरा 8 डी.ओ.बी.बी गौडू

हाईट्रोपोनिक यूनिट : डेयरी फार्म की गायो के लिए हरा चारे के लिए हाईट्रोपोनिक यूनिट की उरमूल बज्जू कैम्पस में स्थापित कि गई है। कुल 7 मशिनो से हरे चारे के बीज को अकुंरित कर ट्रे में लगाकर सप्ताह में पानी देकर तैयार किया जाता है हर यूनिट में 28 ट्रे हरा चारा पशुओ के लिए तैयार किया जाता है।

मिल्क प्रोसेसिंग सेन्टर : उरमूल बज्जू में 70 गुणा 40 की बिल्डिंग मिल्क प्रोसेसिंग सेन्टर का निर्माण करवाया जा रहा है। जिसमें बज्जू क्षेत्र के किसानो जो सीड बैक एवं सतत कृषि कार्यक्रम से जुड़े हुए उनके पशुओ के उत्पाद को मार्केट से जोड़ने के लिए दुध के प्रोडेक्ट तैयार करने के उदेश्य से BMC स्थापित की जा रही है।

राठी नस्ल सुधार परियोजना,RGM

परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर एवं चूरू जिला
वितीय सहयोग	राष्ट्रीय गोकुल मिशन एवं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड
परियोजना प्रारम्भ	जुलाई – 2019
सहयोगी संस्थाएं	राज.पशुधन विकास बोर्ड, जयपुर, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविधालय, बीकानेर एवं राजस्थान सहकारी डेयरी संघ, जयपुर
प्रतिवेदन अवधि	जुलाई 2019–मार्च 2020

परियोजना के मुख्य उद्‌देश्य :

- राठी नस्ल की गायों का संरक्षण एवं बढावा देना।
- कृत्रिम वीर्यदान के लिए पशुपालको व किसाानो को प्रोत्साहित करना।
- प्रति पशु दुग्ध उत्पादन की क्षमता को बढाना।
- उत्कृष्ट राठी नस्ल के सांडो का उत्पादन करना।
- बिना नस्ल की गायों को राठी नस्ल के सांड द्वारा प्रजनन करके नस्ल सुधारना।
- उत्कृष्ट राठी नस्ल के सांडो को सीमन बैंक को उपलब्ध करवाना।
- पशुपालको को न्यूनतम राशि पर राठी नस्ल कृत्रिम गर्भाधान की सेवाएं उपलब्ध करवाना।
- पशुपालको के पशुओं को उतम गुणवता के राठी सॉड के बीज से कृत्रिम गर्भाधान करवाना।
- पशुपालकों के द्वार पर गायों की निःशुल्क जॉच करना व परामर्श देना।
- गांव स्तर पर निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन।

परियोजना की मुख्य गतिविधियां :

- चयनित व सर्वेकृत गांवो में कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र की स्थापना व कार्यकर्ता का चयन।
- कृत्रिम गर्भाधान के लिय चयनित कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण करवाना।
- कृत्रिम गर्भाधान करना।
- उत्कृष्ट राठी नस्ल की गायों का दुग्ध मापन।
- ग्राम स्तरीय बैठकों का आयोजन।
- बांझपन निवारण शिविरों का आयोजन।
- प्रचार प्रसार शिविरो का आयोजन।
- ग्राम स्तरीय कॉफ रैली का आयोजन।
- कॉफ रियेरिंग स्टेशन की स्थापना एवं संचालन।
- उत्कृष्ट राठी नस्ल के सांड का संकलन एवं परवरिष।
- परियोजना प्रबन्धन समिति की बैठक का आयोजन।
- पर्यवेक्षक के लिए प्रशिक्षणों का आयोजन।

परियोजना की भौतिक प्रगति का विवरण : जुलाई 2019–मार्च 2020

क.स.	गतिविधि	संख्या
1.	परियोजना में सम्मलित गांव	144
2.	परियोजना के तहत सर्वे किये गये गांव	25
3.	संकुल	3
4.	परियोजना समन्वयक	1
6.	परियोजना में कार्यरत सुपरवाईजर	3
7.	परियोजना में कार्यरत एल.एन. 2 सुपरवाईजर	1
8.	परियोजना में कार्यरत डाटा प्रोसेसिंग असिस्टेन्ट	1
9.	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र कार्यकर्ता	25
10.	कृत्रिम गर्भाधान स्थापित केन्द्र	25
11.	वर्तमान में कृत्रिम गर्भाधान किये जा रहे गांव	144
12.	अब तक किये गये कृत्रिम गर्भाधान	5194
13.	अब तक परियोजना के तहत शामिल पशु	3499
15.	परियोजना में कार्यरत सुपरवाईजर प्रशिक्षण	3
16.	एल.एन. सुपरवाईजर प्रशिक्षित केन्द्र कार्यकर्ता	1
17.	नये कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र कार्यकर्ता प्रशिक्षण	15
18.	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र कार्यकर्ता का मोबाईल इनाफ एप्प प्रशिक्षण	25
19.	दुध मापन हेतू स्मार्ट वेहिंग स्केल मशीन कार्यकर्ता का प्रशिक्षण	25
20.	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र कार्यकर्ता रिफ्रेसर प्रशि.	25
21.	बाझपन निवारण शिविरों का आयोजन	25
22.	बाझपन निवारण शिविरों से लाभान्वित पशु	535
23.	किसानो के साथ कार्यक्रम विस्तार प्रोग्राम	25
24.	किसानो के साथ विस्तार प्रोग्राम से लाभान्वित	675
25.	कॉफ रेली का आयोजन	5
26.	कॉफ रैली में शामिल होने वाले पशुओं की संख्या	50
27.	गांव स्तरीय समिति गठन	25
28.	दूध मापन किये जा रहे पशुओं की संख्या	145
29.	कुल दूध मापन	533
30.	कुल दूध टेस्टिग	96
31.	स्टाफ मासिक बैठक	9
32.	परियोजना प्रबन्धन समिति बैठक	1
33.	कृत्रिम गर्भाधान किये गये पशुओं की संख्या	3499
34.	कृत्रिम गर्भाधान से प्राप्त पशुओं की संख्या	486

परियोजना के तहत उपरोक्त विवरण के मुताबिक किये जा रहे कार्य से मुख्य परिणाम :

- कृत्रिम गर्भाधान के प्रति किसानों का जुडाव दिखने लगा है।
- पशुपालकों में प्राकृतिक गर्भाधान के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढी है।
- स्थानीय गाय की नस्लों में सुधार होकर राठी नस्ल में वृद्धि हुई है।
- परियोजना से जुडे पशुपालकों के पशुओं में प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन में सुधार आया है।
- स्मार्ट वेहिंग स्केल मशीन से दुध मापन की गुणवत्ता मे सुधार आया है।
- परियोजना के माध्यम से उतम नस्ल के राठी सॉडो की संख्या में वृद्धि हुई है।
- कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता मोबाईल ईनाफ एप्प के माध्म से सीधे तौर पर अपने कार्य की डाटा एन्ट्री कर रहे है।

कॉफ रियेरिंग सेन्टर :

उरमूल पी.एस.राठी परियोजना के तहत उरमूल सेतु संस्थान, लूणकरणसर के कैम्पस में कॉफ रियेरिंग सेन्टर संस्था के द्वारा स्थापित किया गया है। कॉफ रियेरिंग सेन्टर में परियोजना क्षेत्र के पशुपालको के द्वारा पाले गये बछडों को लिया जाता है। पशुपालकों से बछडों की खरीद के समय बछड़ो में होने वाली प्रमुख बिमारियो की जांच की जाती है। इस डिजीज टेस्टिग में मुख्य रूप से केरियोटाइपींग, ब्रूसोलीस, बी.वी.डी आइ.बी.आर.और टीबी.जेडी. शामिल होती है। डिजीज टेस्टिग के अलावा पेरेन्टेज टेस्टिग, डी–वॉर्मिंग, और टीकाकरण इत्यादि। इस प्रकार की गई सभी जांचो में सफल हुएं बछड़ो को कॉफ रियेरिंग सेन्टर पर लाया जाता है।

कॉफ रियेरिंग सेन्टर से अब तक एनडीपी परियोजना के तहत 31 उच्चगुणवता के बछड़े बेचे जा चुके है। पशुपालक से लाने के बाद बछड़ो को सेन्टर पर 3 माह तक रखा जाता है और समय–समय पर इनकी स्वास्थ्य की जांच भी होती है। सेन्टर पर लाएं गए बछड़ो को बेचने हेतु सूचना राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से विभिन्न सीमन सेन्टरों को की जाती है और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मार्फत तय किए गए सीमन सेन्टर को बछड़े बेचे जाते है ताकि बीमारी मुक्त और अच्छी गुणवत्ता का सीमन उत्पादन किया जा सके। अभी वर्तमान समय मे 04 अच्छी गुणवत्ता के राठी नस्ल के बछड़े लूणकरनसर कॉफ रियरिंग सेन्टर मे मौजूद है।

बुल्स ब्रिकी का विवरण :

इस परियोजना के तहत जुलाई 2019–मार्च 2020 की अवधी में कॉफ रियरिंग सेन्टर के माध्यम से तैयार करके 04 बछड़ो की ब्रिकी के लिए एन.डी.डी.बी. द्वारा आदेश जारी किया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	स्थान का नाम	संख्या
1.	बस्सी सीमन स्टेशन, जयपुर	02
2.	एबीसी सलून सीमन स्टेशन, रायबरैली	02
कुल		04

उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम

परियोजना का नाम	सिलाई स्कूल कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर, नागौर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, बांसवाडा एवं करौली
वितीय सहयोग	उषा इन्टरनेशनल
परियोजना प्रारम्भ	मार्च 2012
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019—मार्च 2020

कार्यक्रम के उद्देश्य :

- सिलाई प्रशिक्षण के लिए संदर्भ व्यक्तियों की पहचान व प्रशिक्षण करवाना।
- ग्रामीण क्षेत्र में सिलाई के कार्य में रूचि रखने वाली महिलाओं की पहचान।
- ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सिलाई कार्य के लिए प्रशिक्षण करवाना।
- प्रशिक्षण में प्रशिक्षित महिलाओं को निःशुल्क सिलाई मशीन उपलब्ध करवाना।
- प्रशिक्षित महिलाओं को गांव में सिलाई स्कूल चलाने के लिए तैयार करना।
- सिलाई स्कूल में आने वाली महिलाओं व बालिकाओं की पहचान करके सूची तैयार करना।
- प्रशिक्षित महिलाओं के माध्यम से गांवो में सिलाई स्कूल का संचालन करना।
- गांवो में संचालित स्कूल की नियमित रूप से मॉनिटरिग व प्रबन्धन करना।

क्लासिकल सिलाई स्कूल संचालन का विवरण :

क्र.स.	विवरण	सिलाई स्कूलों की संख्या						
		2011—12	2012—13	2013—14	2015—16	2017—18	2017—18	कुल
1.	कोलायत, बीकानेर	09	.	.	10	09	.	28
2.	श्रीडूंगरगढ, बीकानेर	01	05	.	.	.	.	06
3.	लूणकरणसर, बीकानेर	04	.	.	.	.	.	04
4.	बीकानेर	06	.	.	.	.	.	06
5.	पोकरण, जैसलमेर	10	.	.	10	.	.	20
6.	श्रीगंगानगर	10	05	.	.	.	.	15
7.	हनुमानगढ	10	.	10	.	.	.	20
8.	नागौर	10	.	.	.	.	.	10
9.	बासवाडा	10	.	.	.	.	.	10
10.	जोधपुर	10	.	10	.	02	10	32
11.	करौली	01	10	01	.	.	.	12
12.	बाडमेर	.	.	.	10	10	.	20
	कुल	**81**	**20**	**21**	**30**	**21**	**10**	**183**

उपरोक्त विवरण के अनुसार राजस्थान के 09 जिलों यथा बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, नागौर, बासवाडा, जोधपुर, करौली, बाडमेर एवं बासवाडा में 183 ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को गांवो में सिलाई स्कूल चलाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। ये प्रशिक्षित सभी महिलाएं अपने अपने गांवो में सिलाई स्कूल का संचालन नियमित रूप से कर रही है। वर्तमान में संचालित 183 स्कूलों के माध्यम से 29750 बालिकाओं व महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण गांव स्तर पर दिया जा रहा है। जिसमें से 7231 महिला एव बालिकाओ ने फरवरी 2019 तक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। संचालित स्कूलों एवं स्कूलो से होने वाली आय का विवरण निम्न प्रकार से है :

संचालित स्कूलों एवं पंजीकृत व प्रशिक्षण प्राप्ति का विवरण :

क स	विवरण	कुल
1.	संचालित केन्द्र व मशीन उपलब्धता	170
2.	कुल पजीकृत महिलाएं एवं बालिकाएं	789
3.	प्रशिक्षण पूर्ण कर चुकी महिलाएं एवं बालिकाएं	427

स्कूल संचालिकाओं की आमदनी का विवरण :

क स	विवरण	कुल
1.	प्रशिक्षण फीस से केन्द्र संचालिकाओं की आय	23123
2.	कपडे सिलाई से केन्द्र संचालिकाओं की आय	46350
3.	मशीन रिपेयरिंग से आय	5000
कुल राशि		**74473**

सेटेरलाइट सिलाई स्कूल संचालन का विवरण :

क.स.	विवरण	सिलाई स्कूलों की संख्या					
		2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2018–19	कुल
1.	कोलायत, बीकानेर	19	03	–	20	–	42
2.	श्रीडूंगरगढ, बीकानेर	04	30	–	–	–	34
3.	लूणकरणसर, बीकानेर	16	–	–	–	–	16
4.	बीकानेर	26	01	–	–	–	27
5.	पोकरण, जैसलमेर	50	11	–	20	–	81
6.	श्रीगंगानगर	68	11	–	–	–	79
7.	हनुमानगढ	81	09	02	–	–	92
8.	नागौर	38	–	–	–	–	38
9.	बासवाडा	32	–	–	–	–	32
10.	जोधपुर	51	12	08	–	20	91
11.	करौली	30	–	–	–	–	30
12.	बाडमेर	07	40	29	20	–	96
	कुल	**422**	**117**	**39**	**60**	**20**	**658**

इस प्रकार से संचालित सेटेलाइट 658 स्कूलों एवं स्कूलो से होने वाली आय का विवरण निम्न प्रकार से है :

संचालित सेटेलाईट स्कूल एवं पंजीकृत व प्रशिक्षण प्राप्ति का विवरण :

क.स.	विवरण	कुल
1.	संचालित केन्द्र व मशीन उपलब्धता	658
2.	कुल पजीकृत महिलाएं एवं बालिकाएं	5863
3.	प्रशिक्षण प्राप्त महिलाएं एवं बालिकाएं	4246

सेटेलाईट स्कूल संचालिकाओं की आमदनी का विवरण :

क.स.	विवरण	कुल
1.	प्रशिक्षण फीस से केन्द्र संचालिकाओं की आय	277600
2.	कपडे सिलाई से केन्द्र संचालिकाओं की आय	439510
3.	मशीन रिपेयरिंग व अन्य आय	15165
कुल राशि		**732275**

स्वास्थ्य एवं पोषण पहल कार्यक्रम

परियोजना का नाम	स्वास्थ्य एवं पोषण पहल कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर जिला
वितीय सहयोग	अशोका इनोवेटर्स
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2017
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

परियोजना परिचय :

उरमूल ट्रस्ट, बीकानेर के द्वारा बीकानेर जिले राजकीय आदर्श विधालयों में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने की प्रक्रिया के तहत अशोका इनोवेटर्स के सहयोग से इस कार्यक्रम का संचालन अगस्त 2017 से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जिले के चयनित विधालयों के बच्चों का हीमोग्लोबीन, वजन, लम्बाई, एवं बांह के दायरे इत्यादि की जांच कर अशोका इनोवेटर्स के द्वारा प्रदत नरिशिंग स्कूल्स सॉफटवेयर में डाटा अपडेट किया जाता है।

परियोजना का उद्देश्य :

- स्कूलों मे बच्चों के पोषण स्तर की जॉच कर स्थिति में सुधार लाना।
- छात्रों की शिक्षा, पोषण स्थिति, आहार एवं स्वास्थ्य के स्तर का पता करना।
- स्कूलों मे मिडे मील योजना के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
- बच्चों के खान–पान के स्तर की जानकारी प्राप्त करना।
- बच्चों में खान–पान एव स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता लाना।

बेसलाईन किये गये स्कूलों का विवरण :

क.स.	स्कूल का नाम	बच्चों का विवरण		
		लडके	लडकिया	कुल
1.	रा.आ.उ.मा. वि. ,कुचोर अगुणी	53	65	118
2.	रा.आ.उ.मा. वि. ,सारुडा	59	57	116
3.	रा.आ.उ.मा. वि. ,कक्कू	55	49	104
4.	रा.आ.उ.मा. वि. ,गजनेर	50	02	52
5.	रा.आ.उ.मा. वि. ,रामसरा	45	54	99
6.	रा.आ.उ.मा. वि. ,खाजूवाला	54	49	103
7.	रा.आ.उ.मा. वि. ,कालूवाला	54	55	99
8.	रा.आ.उ.मा. वि. ,पूगल	51	50	101
9.	रा.आ.उ.मा. वि. ,बन्घडा	57	58	108
	कुल	**478**	**439**	**907**

दुबारा सर्वे किये गये स्कूलों का विवरण :

क.स.	स्कूल का नाम	बच्चों का विवरण		
		लडके	लडकिया	कुल
1.	रा.आ.उ.मा. वि. ,कालू	60	60	120
2.	रा.आ.उ.मा. वि. ,लूनकरणसर	52	15	67
3.	रा.आ.उ.मा. वि. खियेरा	57	53	110
4.	रा.आ.उ.मा. वि. ,मूण्डसर	36	56	92
	कुल	**205**	**184**	**389**

मिडलाइन सर्वे किये गये स्कूलों का विवरण :

क.स.	स्कूल का नाम	बच्चों का विवरण		
		लडके	लडकिया	कुल
1.	रा.आ.उ.मा. वि. ,दुलचासर	19	00	19
	कुल	**19**	**00**	**19**

टूल किट लॉच किये गये स्कूलों का विवरण :

क.स.	स्कूल का नाम	बच्चों का विवरण		
		लडके	लडकिया	कुल
1.	रा.आ.उ.मा. वि. ,दुलचासर	09	09	18
2	रा.आ.उ.मा. वि. ,आम्बासर	09	09	18
3.	रा.आ.उ.मा. वि. ,बरसीगसर	09	09	18
4.	रा.आ.उ.मा. वि. ,बबलू	09	09	18
5.	रा.आ.उ.मा. वि. ,नापासर	18	00	18
6.	रा.आ.उ.मा. वि. ,मूडसर	09	09	18
7.	रा.आ.उ.मा. वि. ,रामसरा	09	09	18
8.	रा.आ.उ.मा. वि. ,मोमासर	09	09	18
9.	रा.आ.उ.मा. वि. ,उपनी	09	09	18
10	रा.आ.उ.मा. वि. ,खाजूवाला	09	09	18
11	रा.आ.उ.मा. वि. , कालूवाला	09	09	18
12	रा.आ.उ.मा. वि. ,झन्झू	09	09	18
13	रा.आ.उ.मा. वि. ,हदां	09	09	18
14	रा.आ.उ.मा. वि. ,पुगल	09	09	18
	कुल	**135**	**117**	**252**

प्रज्जवला परियोजना

परियोजना का नाम	प्रज्जवला परियोजना
परियोजना का कार्यक्षेत्र	जोधपुर, बाडमेर एवं जैसलमेर जिला
वितीय सहयोग	सी.ई.ई.(सेन्टर फॉर इनवायरमेंट एजुकेशन)
परियोजना प्रारम्भ	जून 2019
प्रतिवेदन अवधि	जून 2019—मार्च 2020

संस्था के द्वारा. जून 2019 से प्रज्जवला परियोजना का संचालन जोधपुर जिले के 09 केजीबीवी,बाडमेर जिले के 06 केजीबीवी तथा जैसलमेर जिले के 03 केजीबीवी सहित कुल तीनों जिले की 18 कस्तूरबा गॉधी बालिका आवासीय विधालयों के साथ किया जा रहा है।

परियोजना का उद्देश्य :

- समाज में जल प्रबन्धन,स्वच्छता, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना।
- शाला प्रबन्धन समितियों को जल प्रबन्धन,स्वच्छता,स्वास्थ्य व पर्यावरण के प्रति जबाबदेह बनाना।
- पढाये जाने वाले विषयों को जल प्रबन्धन,स्वच्छता,स्वास्थ्य व पर्यावरण से जोडना।
- बालिकाओं व अभिभवकों को जल प्रबन्धन,स्वच्छता,स्वास्थ्य व पर्यावरण हेतु प्रेरित करना।
- भविष्य में जल प्रबन्धन,स्वच्छता,स्वास्थ्य व पर्यावरण के प्रति निर्णय हेतु आत्मविश्वास बढाना।
- जल प्रबन्धन,स्वच्छता,स्वास्थ्य व पर्यावरण के क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के समानता के अवसर प्रदान करने के लिए शाला प्रबन्धन समितियों एवं अभिभावकों में माहौल पैदा करना।

परियोजना के तहत आयोजित की गई गतिविधियों का विवरण निम्न प्रकार से है :

विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों का आमुखीकरण : परियोजना क्षेत्र में संचालित 18 केजीबीवी की समस्त विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों का जल प्रबन्धन, स्वच्छता एंव स्वास्थ्य तथा स्वच्छ पर्यावरण पर आमुखीकरण किया गया। आमुखीकरण में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है ।

क.स.	जिले का नाम	प्रशिक्षण संख्या	संभागियों का विवरण		
			महिला	पुरूष	कुल
1.	जोधपुर	09	78	47	125
2	बाडमेर	06	63	44	107
3	जैसलमेर	03	29	13	42
कुल		**18**	**170**	**104**	**274**

बाल संसद का गठन व प्रशिक्षण : परियोजना क्षेत्र में संचालित 18 केजीबीवी में मतदान के माध्यम से बाल संसंद का गठन कर मन्त्री मण्डल तय किया गया और सभी मंत्रीयों को पद व कार्य की शपथ दिलाई गयी। मन्त्री मण्डल का गठन करने के बाद सभी मंत्रीयों व षिक्षिकाओं को केजीबीवी में संचालित गतिविधियों के आधार पर प्रत्येक मन्त्री के कार्यो की जानकारी व जिम्मेदारी तथा जल प्रबन्धन, स्वच्छता एंव स्वास्थ्य तथा स्वच्छ पर्यावरण पर दो दिवसीय प्रषिक्षण किया गया । प्रषिक्षण में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	प्रशिक्षण संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	शिक्षिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	09	198	18	216
2	बाडमेर	06	130	11	141
3	जैसलमेर	03	66	06	72
कुल		**18**	**394**	**35**	**429**

किशोरी समूह गठन व प्रशिक्षण : 18 केजीबीवी में किशोरी समूह का गठन कर माहवारी , व्यक्तिगत स्वच्छता एंव स्वास्थ्य पर आमुखीकरण किया गया। प्रशिक्षण में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	प्रशिक्षण संख्या	संभागियों का विवरण		
			किशोरीयां	षिक्षिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	09	180	09	189
2	बाडमेर	06	120	06	126
3	जैसलमेर	03	60	03	63
कुल		**18**	**360**	**18**	**378**

बाल संसद की मासिक बैठके : 18 केजीबीवी में बाल संसद के मन्त्री मण्डल की सभी मंत्रीयों व शिक्षिकाओं के साथ प्रतिमाह बैठकें कर केजीबीवी में संचालित गतिविधियों पर प्रत्येक मन्त्री के कार्यो व जिम्मेदारी की समीक्षा कर प्रतिमाह नियोजन बनाया गया। भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	बैठकों की संख्या	संभागियों का विवरण		
			मन्त्री	षिक्षिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	42	885	45	930
2	बाडमेर	30	620	30	650
3	जैसलमेर	13	285	15	300
कुल		**85**	**1780**	**90**	**1880**

जल परीक्षण किट वितरण व प्रशिक्षण : 18 केजीबीवी में जल परीक्षण किट का वितरण किया गया और केजीबीवी की सभी बालिकाओं व शिक्षिकाओं को पानी की शुद्वता जांचने के पांच तरीकों का प्रशिाक्षण दिया गया। भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	वितरण किट संख्या	प्रषिक्षण की संख्या	संभागियों का विवरण		
				बलिकाएं	षिक्षिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	09	09	790	27	817
2	बाडमेर	06	06	535	19	554
3	जैसलमेर	03	03	295	10	305
कुल		**18**	**85**	**1620**	**56**	**1876**

किशोरी समूह मासिक बैठके : 18 केजीबीवी में किशोरी समूह को माहवारी , व्यक्तिगत स्वच्छता एंव स्वास्थ्य को लेकर समीक्षा एंव नियोजन बैठकें की गई। भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	बैठकों की संख्या	संभागियों का विवरण		
			किशोरियां	शिक्षिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	45	855	45	900
2	बाडमेर	25	490	25	515
3	जैसलमेर	15	270	15	285
कुल		**85**	**1615**	**85**	**1700**

बालिकाओं जीवन कौशल प्रशिक्षण : 18 केजीबीवी में जीवन कौशल ,व्यक्तिगत स्वच्छता व माहवारी प्रबन्धन पर समझ विकसित व मजबूत करने के लिए एक दिवसय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	प्रशिक्षण संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	षिक्षिकाएं	कुल
1.	जोधपुर	09	830	09	839
2	बाडमेर	06	540	06	546
3	जैसलमेर	03	270	03	273
कुल		**18**	**1640**	**18**	**1658**

राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन : 12 केजीबीवी में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे स्टाफ, केजीबीवी षिक्षिकाएं, बालिकाएं, व अभिभावको ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओ ने बाल विवाह, जीवन कौशल,जल प्रबन्धन, व्यक्तिगत स्वच्छता व माहवारी प्रबन्धन तथा स्वच्छ पर्यावरण के बारे में अपने मनोभाव कविता, गीत, नृत्य, भाषण, चित्रकारी एवं खेलकूद के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय बालिका दिवस में उपस्थिति का विवरण इस प्रकार है :

क.स.	जिले का नाम	बालिका दिवस संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	षिक्षिकाएं व अभिभावक	कुल
1.	जोधपुर	06	455	164	619
2	बाडमेर	04	344	84	428
3	जैसलमेर	02	192	75	267
कुल		**12**	**991**	**323**	**1314**

शैक्षिक किशोरी बालिका मेले : 12 केजीबीवी में दो दिवसीय शैक्षिक किषोरी **बालिका** मेलों का आयोजन सरकार के साथ मिलकर किया गया। इन मेलों में 12 केजीबीवी के आसपास की 05–05 स्कूलो की बालिकाओं को शामिल किया गया। उपस्थिति इस प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	केजीबीवी व स्कूल संख्या	संभागियों का विवरण		
			बालिकाएं	षिक्षिकाएं व अभिभावक	कुल
1.	जोधपुर	36	2520	205	2725
2	बाडमेर	24	1430	270	1700
3	जैसलमेर	12	765	140	905
कुल		**72**	**4725**	**615**	**5340**

जिला स्तर समीक्षा बैठकों में भागीदारी : 18 केजीबीवी की जिला स्तर की समीक्षा बैठकों में भाग लेकर केजीबीवी में जल प्रबन्धन, व्यक्तिगत स्वच्छता व माहवारी प्रबन्धन तथा स्वच्छ पर्यावरण गतिविधियों में सुधार के लिये केजीबीवी प्रधानाध्यापिकाओं व एडीपीसी एपीसी के साथ सयुंक्त कार्ययोजना बनाई गई। बैठकों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	बैठकों की संख्या	संभागियों का विवरण		
			केजीबीवी प्र.अ.	जिला अधिकारी	कुल
1.	जोधपुर	06	54	24	78
2	बाडमेर	03	18	12	30
3	जैसलमेर	03	09	12	21
कुल		**11**	**81**	**48**	**129**

गर्ल्स नॉट ब्राइड्स् कार्यक्रम

परियोजना का नाम	गर्ल्स नॉट ब्राइड्स कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	राजस्थान राज्य
वितीय सहयोग	जी.एन.बी.(गर्ल्स नॉट ब्राईड्स)
परियोजना प्रारम्भ	दिसम्बर 2017
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019—मार्च 2020

कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय : गर्ल्स नोट ब्राइडस् 95 देशों के 1000 से अधिक सामाजिक संगठन, जो बाल विवाह को समाप्त करने के लिए वचनबद्ध हैं की ग्लोबल साझेदारी का संगठन है। इसकी स्थापना सितम्बर 2011 में हुई।

गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान में दिसम्बर 2017 में जयपुर, राजस्थान में बनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य राजस्थान से बाल विवाह जैसी कुरीति को जड़ से समाप्त करने के साथ ही बाल विवाह रोकथाम के लिए बालिकाओं की आवाज को बुलंद करना है। इसके अलावा बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य व विकास के अवसरों के लिए जागरूक करना है।

जीएनबी राजस्थान का मूल्याकंन बैठक जयपुर 4 जून 2019 : गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान की एक दिवसीय मूल्याकंन बैठक ओम निवास होटल जयपुर में आयोजित की गई। गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान का मूल्यांकन सुश्री जैनत सेवाया कन्सलटेंट जीएनबी लंदन द्वारा किया गया। बैठक में जीएनबी बनने से पहले संस्थाओं द्वारा बाल विवाह पर किये जा रहे कार्यो, संगठन बनने के बाद संस्थाओं ने बाल विवाह को अपने अन्य कार्यो में कैसे जोडा, जीएनबी राजस्थान के बैनर तले क्या—क्या व किस प्रकार के कार्य किये गये। एक दिवसीय बैठक में जीएनबी दिल्ली ऑफिस से दिव्या मुकुदं ने भी भाग लिया। बैठक में 13 संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

स्टीयरिंग कमेटी बैठक कोटा —28 जून 2019 : गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान की स्टीयरिंग कमेटी एक दिवसीय बैठक 28 जून 2019 को होटल सरस्वती पैलेस कोटा में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य सदस्यों के अनुभवों का आदान—प्रदान, संभाग स्तरीय बैठक कोटा की तैयारी, जीएनबी लंदन द्वारा राजस्थान को स्वीकृत किये गये बजट पर चर्चा व आगामी कार्ययोजना पर बातचीत करना था। सभी संस्थाओं ने बाल विवाह रोकथाम

सम्बन्धी किये कार्यो व राष्ट्रीय–अंतराष्ट्रीय बैठकों के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद संभाग स्तरीय बैठक के सत्र व संदर्भ व्यक्तियों, संदर्भ सामग्री व अन्य तैयारियों पर बातचीत की गई। अंतिम सत्र में स्वीकृत बजट व आगामी कार्ययोजना पर चर्चा हुई। इस एक दिवसीय बैठक में 10 संभागियों ने भाग लिया।

कोटा संभाग स्तरीय बैठक –29 जून 2019 : गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान के कोटा संभाग की संस्थाओं की संभाग स्तरीय बैठक 29 जून 2019 को होटल सरस्वती पैलेस कोटा में आयोजित की गई। बैठक में आपसी परिचय के जीएनबी राजस्थान के बारे में बताया गया। उपरांत सभी संभागीयों द्वारा वर्तमान में बाल विवाह रोकथाम के लिए किये जा रहे कार्यो, बाल विवाह की स्थिति के बारे मे बताया। इस बैठक में कोटा संभाग की स्वयं सेवी संस्थाओं, जन प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, मीडिया कर्मियों सहित 28 संभागीयों ने भाग लिया।

जिला स्तरीय बैठक सिरोही –19 जुलाई 2019 : बाल विवाह मुक्त राजस्थान के लिए साझा पहल एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान व जिला प्रशासन सिरोही के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जिला स्तरीय बैठक 19 जुलाई 2019 को श्री सुरन्द्र कुमार सोलंकी की अध्यक्षता में जिला कलक्टर सभागार में आयोजित की गई। बैठक में आपसी परिचय के जीएनबी राजस्थान के बारे में बताया गया। सभी संभागीयों द्वारा वर्तमान में बाल विवाह रोकथाम के लिए किये जा रहे कार्यो, बाल विवाह की स्थिति के बारे मे बताया। सभी के अनुभवों व जीएनबी राजस्थान के उद्देश्यों जानने के बाद जिला कलक्टर महोदय ने सिरोही को बाल विवाह मुक्त बनाने हेतु प्रत्येक पंचायत पर बाल विवाह विषयक पंचायत बैठक करने तथा बाल विवाह मुक्त पंचायत घोषित करवाने सम्बन्धी जिला स्तरीय आदेश जारी करने पर सहमति दी। अंत में जीएनबी राजस्थान के अध्यक्ष श्री अरविंद ओझा ने सभी का आभार व्यक्त किया। एक दिवसीय बैठक में 21 संभागीयों ने भाग लिया।

बच्चों के सम्बन्धित सतत विकास के लक्ष्यों पर राज्य स्तरीय कन्सलटेंशन 22 सितम्बर 2019 : बच्चों के सम्बन्धित सतत् विकास के लक्ष्यों पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कन्सलटेंशन राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति जयपुर में 22 सितम्बर को आयोजित किया गया। सर्वप्रथम गर्ल्स नोट ब्राइडस राजस्थान के चेयरपर्सन श्री अरविन्द ओझा ने सभी का स्वागत करते हुए कन्सलटेंशन के उद्देश्यों के बारे में बताया। उपरान्त बच्चों के सम्बन्धित सतत् विकास के लक्ष्यों पर चर्चाएं करते हुए सभी संभागीयों ने समूह चर्चाओं, पैनल चर्चाओं व व्यक्तिगत रूप से राजस्थान में सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा बाल विवाह मुक्त राजस्थान बनाने हेतु सुझाव दिये। एक दिवसीय कन्सलटेंशन में गर्ल्स नोट ब्राईड्स राजस्थान की सहयोगी संस्थाओं, यून एजेन्सीज यूनिसेफ, यूएनएफपीए, आईएलओ के प्रतिनिधियों, राजस्थान सरकार के बाल अधिकार आयोग के सदस्य व प्रतिनिधियों, आईएनजीओ सेव द चिल्ड्रन, एड एट एक्शन, रूम टू रीड, एक्शन एड, प्लान इण्डिया, सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित 46 संभागीयों ने भाग लिया।

स्टीयरिंग कमेटी बैठक ओंसिया–30 सितम्बर 2019 : गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान की स्टीयरिंग कमेटी एक दिवसीय बैठक 30 सितम्बर 2019 को श्री वर्धमान जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय ओंसिया में आयोजित की गई। प्रारम्भ में अध्यक्ष श्री अरविंद ओझा ने सभी का स्वागत किया तथा पिछली बैठक के बाद हुये कार्यो के बारे में बताया। इसके बाद इसके बाद सभी सदस्यों ने अपने–अपने संभाग में बाल विवाह रोकथाम सम्बन्धी किये कार्यो व राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय बैठकों के बारे में बताया। आगामी कार्ययोजना में 11 व 12 अक्टूबर को जयपुर में राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही बैठक समापन किया गया। एक दिवसीय बैठक में 6 संभागियों श्री अरविद ओझा, श्री ओपी कुल्हरी, श्री शिवजीराम यादव, श्री अरूण जिंदल, श्री अंचल कुमार यादव व श्रीमती प्रीति राठौड़ ने भाग लिया।

जिला स्तरीय कार्यशाला औंसिया 30 सितम्बर 2019 : राजस्थान उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जोधपुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में बाल अधिकार व बाल विवाह निषेध कानून के प्रति आम–जन में जागृति हेतु जोधपुर की जिला स्तरीय कार्यशाला राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति श्री संदीप मेहता के मुख्य आतिथ्य में 30 सितम्बर 2019 को श्री वर्धमान जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय ओंसिया में आयोजित की गई। श्री मेहता ने कहा क बाल विवाह एक कुप्रथा नहीं है बल्कि अपराध है।

कार्यशाला में राजस्थान बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती संगीता बेनीवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमेन श्री चन्द्र कुमार सोनगरा, सचिव श्री समरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर जोधपुर श्रीमती सीमा कविया, ओंसिया के एसडीएम, बीडीओ, पुलिस उप अधीक्षक, थानाधिकारी के अलावा जोधपुर संभाग की स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान के अध्यक्ष श्री अरविन्द ओझा व नेटवर्क से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि सेव द चिल्ड्रन जयपुर के कार्यक्रम प्रबंधक श्री रमाकांत सतपथे, सरकारी कर्मचारियों, धर्मगुरूओं, मीडिया कर्मियों, बालिकाओं सहित 347 संभागीयों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन शिक्षाविद् डॉ. बीएल जाखड़ ने किया।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस : दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन 11–12 अक्टूबर 2019 जयपुर : दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन 11 व 12 अक्टूबर को राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति जयपुर में आयोजि किया गया। सम्मेलन के शुभारम्भ पर जीएनबी राजस्थान के अध्यक्ष श्री अरविंद ओझा ने सभी बालिकाओं का स्वागत करते हुए अगले दो दिन बालिकाओं व किशारियों के मुद्दों पर खुल पर अपनी बात कहने, तथा नई नई सहेलियां बनाने का आह्वान किया। श्री राजेन्द्र बोडा पत्रकार व लेखक, राजस्थान बाल संरक्षण आयोग जयपुर से डॉ. शेलेन्द्र पाड्या व श्री विजेन्द्र सिंह, राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री रमेश थानवी, सेव द चिल्ड्रन के राज्य प्रमुख श्री संजय शर्मा, श्रीमती मंजरी यूनिसेफ राजस्थान, श्री गोविन्द बेनीवाल कन्सलटेंट बाल अधिकार आयोग, श्री धर्मवीर यादव राज्य प्रमुख क्राई जयपुर, डॉ. बीणा प्रधान आयुक्त बाल अधिकार आयोग राजस्थान सहित गर्ल्स नोट ब्राईड्स राजस्थान नेटवर्क से जुड़ी संस्थाओं प्रतिनिधियों, पत्रकारों व सम्पूर्ण राजस्थान के आई बालिकाओं सहित 146 संभागीयों ने भाग लिया।

वार्षिक साधारण सभा 17 दिसम्बर 2019 : गर्ल्स नोट ब्राइड्स की वार्षिक साधारण सभा 17 दिसम्बर 2019 को राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति जयपुर में आयोजित की गई। सर्वप्रथम जीएनबी राजस्थान के अध्यक्ष श्री अरविन्द ओझा ने सभी का स्वागत करते हुए नेटवर्क के तहत किये कार्यो के बारे में बताया इसके उपरांत सभी संभागीयों को समूहों में विभाजित कर नेववर्क में युवाओं की भागीदारी बढाने, पैरवी, प्रस्पेक्टिव निर्माण पर चर्चा कर प्रस्तुती की गई। इसके बाद श्री नंदकिशोर आचार्य पर हिंसा पर सत्र लिया गया जिसमें हिंसा क्या है, हिंसा के प्रकार, हिंसा के बचाव आदि के बारे में अनेक उदाहरणों द्वारा समझाया गया। इसके बाद साधारण सभा में उपस्थित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने वर्ष में जीएनबी व संस्थागत कार्यक्रमों के साथ जोडकर बाल विवाह रोकथाम व बालिकाओं को विकास के समान अवसर देने के लिए कार्यो के अनुभव, उपलब्धियों व चुनौतियों के बारे में बताया। सभी ने जीएनबी राजस्थान से अधिक से अधिक संस्थाओं को जोड़कर नेटवर्क के माध्यम से प्रत्येक बालिका को जोड़ने हेतु नीति बनाने का सुझाव दिया। एक दिवसीय वार्षिक साधारण सभा में गर्ल्स नोट ब्राइड्स राजस्थान नेटवर्क से जुड़ी 28 संस्थाओं के 44 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गर्ल्स नॉट ब्राइड्स की मुखिया के साथ दो दिवसीय बैठक व गर्ल्स समीट 17–18 फरवरी 2020 : गर्ल्स नॉट ब्राइड्स राजस्थान की दो दिवसीय बैठक जीएनबी की मुखिया लंदन से आई ड़ॉ. फैथ म्वांगी तथा हीथर हैमिलटन के मुखिया आतिथ्य एवं जीएनबी भारत की मुखिया शिप्रा झा तथा दिव्या मुकुंद की अध्यक्षता में 17–18 फरवरी 2020 को आयोजित की गई। बैठक के प्रथम दिन के प्रथम सत्र में राज्य भर से आई किशोरियां भी इसमें सम्मिलित हुई। किशोरियों ने मेहमानों का स्वागत करते हुए अपने संघर्ष व सफलता की कहानियां तथा अपने–अपने क्षेत्र में जीएनबी राजस्थान के सहयोग से बाल विवाह रोकथाम के लिए किये गये कार्यो को ड़ॉ. फैथ को बताया। द्वितीय सत्र में जीएनबी राजस्थान की साधारण सभा हुई जिसमें राजस्थान के अध्यक्ष श्री अरविन्द ओझा ने वार्षिक गतिविधियों की जानकारी दी।

अंत में जीएनबी की मुखिया लंदन से आई ड़ॉ. फैथ म्वांगी पोवेल ने सभी का धन्यवाद देते हुए कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व के 103 देशों में बाल विवाह पर बात हो रही है, रोकथाम के लिए काम हो रहा है। हम प्रेरणा स्रौत बन कर काम करें, हमें ना केवल प्रत्येक लड़की तक पहुंचना है बल्कि उसके अधिकारों की रक्षा भी करनी है। हम सब यह याद रखें कि हम लोगों के लिए लड़ रहे हैं, हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक बाल विवाह पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता। अंत में अध्यक्ष श्री अरविंन्द ओझा ने सभी को धन्यवाद दिया। दो दिवसीय बैठक में 195 संभागीयों ने भाग लिया।

रेलवे स्टेशन बाल सहायता केन्द्र–1098

परियोजना का नाम	रेलवे स्टेशन बाल सहायता केन्द्र
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर जिला रेलेव क्षेत्र
वितीय सहयोग	चाइल्ड लाइन इण्डिया फाउण्डेशन
परियोजना प्रारम्भ	दिसम्बर 2018
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

परियोजना का संक्षिप्त परिचय : उरमूल ट्रस्ट, बीकानेर द्वारा 01 दिसम्बर 2018 से बीकानेर रेलवे स्टेशन पर बाल सहायता केन्द्र–1098 का संचालन किया जा रहा है। जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर रेलवे विभाग के साथ मिलकर बाल सहायता केन्द्र 1098 का संचालन किया जा रहा है। बाल सहायता केन्द्र की शुरूआत से ही बीकानेर के शहरी एवं दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी रेलवे स्टेशनों पर बाल सहायता केन्द्र 1098 का प्रचार प्रसार टीम के द्वारा नियमित व लगातार किया जा रहा है। जिससे क्षेत्र के लोगो में इस कार्यक्रम में बारे में जागरूकता आई है और इसका परिणाम है कि हर गुमशुदा, पीडित व समस्याग्रस्त बच्चों की जानकारी तुरन्त 1098 पर चाइल्ड लाइन को मिल रही है। इस प्रकार से बाल सहायता केन्द्र की टीम बीकानेर जिले में पूर्ण सक्रियता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्य उद्देश्य :

- किसी भी पीडित बच्चे व जन समुदाय के द्वारा दी गई सूचना को प्राप्त कर कम से कम समय में बच्चें तक पहुंचना और उसकी सहायता करना।
- ट्रेन में अपने परिवार के साथ सफर कर रहे बच्चों का अपने परिवार से बिछड़ जाना या किसी व्यक्ति द्वारा बच्चो की तस्करी कर ट्रेन के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना। इस प्रकार की असामाजिक गतिविधियों से बच्चों की मदद करना।
- समस्याग्रस्त व असामाजिक गतिविधियो में लिप्त बच्चों का मार्गदर्शन व सहयोग तथा सलाह देना।
- चाइल्डलाइन निःशुल्क फोन सेवा 1098 का प्रचार–प्रसार करना।
- बाल मजदूर, संरक्षण और देखभाल के लिए जरूरतमंद बच्चों की पहचान करना व इसकी सूचना समवर्गी विभागो को देना।
- बच्चों के लिए काम कर रहे विभागो से समन्वयन स्थापित करना।
- बाल मजदूरी में लिप्त बच्चों को मुक्त करवाना।
- समस्याग्रस्त, पीडित और शोषण के शिकार बच्चों को मुक्त करवाना व समवर्गी विभागो के सहयोग से पुर्नवासित करवाना तथा निरंतर उनका फॉलोअप करना।
- जरूरत मंद बच्चों को सरकार के द्वारा संचालित सेवाओं से जोडकर लाभान्वित करवाना।
- दर्ज किये गये प्रत्येक मामले का तत्काल फॉलोअप करना।

बैठक गतिविधियां :

संस्थान	अप्रेल 2019–मार्च 2020	
	साप्ताहिक	मासिक
रेलवे चाइल्ड लाईन कार्यालय	38	12
बाल कल्याण समिति	45	10
किशोर आश्रय गृह	45	10
बालिका गृह	12	05
जिला बाल संरक्षण ईकाइ बैठक	00	08

1098 पर प्राप्त कॉल का विवरण :

केस प्रकार	अप्रेल 2019–मार्च 2020	
6. हस्तक्षेप / सहायता		कुल
चिकित्सकीय सहायता	5	**5**
आश्रय	5	**5**
पुनर्वास	0	**0**
शोषण से रक्षा	41	**41**
मृत्यु सम्बधित	0	**0**
स्पॉनसरशिप	0	**0**
7. गुमषुदा बच्चो के मामले		
लापता बच्चें	79	**79**
बच्चों के परिजनो द्वारा मांगी गई सहायता	6	**6**
8. भावनात्मक सहायता एवं मार्गदर्षन	4	**4**
कुल 1 से 3 तक	**140**	**140**
9. अन्य प्रकार		
10. सूचना		
सूचना व अन्य प्रकार की सेवाओं के लिए	563	**563**
चाइल्डलाइन के बारे में जानकारी	190	**190**
प्रशासनिक कॉल	60	**60**
कुल – 3 से 5 तक	**813**	**813**

दर्ज मामलों का विवरण : माह **अप्रेल 2019–मार्च 2020** तक चाल्इडलाइन में **कुल** 135 मामले दर्ज हुए इनमें से 134 मामलो का निस्तारण किया जा चुका है,अभी केवल 01 मामला शेष है।

गुमशुदा मामलो का विवरण : माह **अप्रेल 2019–मार्च 2020** तक बाल सहायता केन्द्र को गुमशुदा बच्चो के कूल 79 मामले सामने आऐ जिनको बाल कल्याण समिति के माध्यम **से** 55 गुमशुदा बच्चों को आश्रय दिलवाया गया था। 48 बच्चो को परिजनो से मिलवा कर अपने घर भिजवा दिया गया है जबकि 07 बच्चे ऐसे थे जो अपने घर का पता बताने में असमर्थ थे जिनको स्थाई आश्रय दिलाया गया। तथा 20 बच्चों को रेलवे स्टेशन पर ही परिजनो की तलाश कर **आर.पी.एफ.** व **जी.आर.पी.** के माध्यम से उनके परिजनो को सुपुर्द कर दिया गया है।

शोषण से सुरक्षा : माह अप्रेल 2019–मार्च 2020 तक कूल 41बच्चों के मामले रेलवे चाइल्डलाईन को मिले। ये स्टेशन पर भीख मांगने वाले, प्लास्टिक बिनने वाले व बूट पॉलिश इत्यादि। जिनमें से 09 लड़के औ 01 लड़की को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश कर अस्थाई आश्रय दिलाया जबकि 15 बच्चों को रेलवे स्टेशन पर ही आरपीएफ व जीआरपी के माध्यम से उनके परिजनो को सुपुर्द किया गया। और बाकि 16 बच्चे विजिट के दौरान स्थान पर नहीं पाऐ गए।

आउटरीच गतिविधियां : माह, अप्रेल 2019 –मार्च 2020 तक कुल 350 आउटरीच गतिविधियो का संचालन किया गया जिसमें बीकानेर जिले के रेलवे स्टेशन व अन्य रेलवे क्षेत्र के सार्वजनिक स्थल शामिल है।

पारंपरिक चरागाह मार्गो को पुनर्जीवित करना

परियोजना का कार्यक्षेत्र	लूनकरणसर
वितीय सहयोग	संयुक्त राष्ट्र के FAO खादय एवं कृषि संगठन
परियोजना प्रारम्भ	जनवरी 2020
सहयोगी संसथाएं	उरमूल सेतु संस्थान, लूणकरण्रसर
प्रतिवेदन अवधि	जनवरी से मार्च 2020

परियोजना का संक्षिप्त परिचय :

इस परियोजना का संचालन संयुक्त राष्ट्र खादय एवं कृषि संगठन के सहयोग से किया जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से चराई के परम्परागता मार्गो को पुर्नजीवित करना तथा चरागाह विकास कर पलायन करने वाले पशुपालको को सुविधा प्रदान करना, पशुपालक को आजीविका के साथ जोडते हुएं आर्थिक संसाधन के रूप में परिवर्तीत करने का प्रयास है। इस कार्यक्रम में पशुओं का समय पर टीकाकरण एवं पशु प्रबन्धन किस प्रकार से करे, जिससे छोटे पशुपालको की आर्थिक हानि को कम कर आय मे वृद्धि की जा सके। इस कार्यक्रम का मुख्य उददे्श्य क्षेत्र के पशुपालको के लिए लाभप्रद रूप में इसे स्थापित करना है ताकि क्षेत्र के लोग इस कार्यक्रम को आर्थिक विकास के रूप में स्थापित कर पाये।

परियोजना के तहत की गई गतिविधियों का विवरण :

सर्वेक्षण कार्य विवरण : बीकानेर, जिले के लूनकरणसर ब्लॉक में पशुपालको का सर्वेक्षण का कार्य किया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	जिले का नाम	ब्लॉक का नाम	सर्वेकृत गांवो की संख्या	सर्वेकृत पशुपालको की संख्या	सर्वेकृत पशुओं की संख्या
1	बीकानेर	लूनकरणसर	18	394	34946

सामुदायिक बैठकों का आयोजन : जिले के लूनकरणसर ब्लॉक के गांवो में पशुपालको के साथ गांव स्तरीय बैठको का आयोजन किया गया। जिसमें पशुपालको को परियोजना के बारे में जानकरी दी गई तथा पलायन करने पर रास्ते में आ रही समस्याओं के बारे में चर्चा की। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	विवरण	बैठक आयोजित अवधी	बैठक आयोजित गांव	सम्भागी
1.	पशुपालको गांव स्तरीय बैठक	जनवरी–मार्च 2020	11	194
कुल			**11**	**194**

पशु प्रबन्धन प्रशिक्षण : लूनकरणसर मे 02 दिवसीय एवं कालू में 01 दिवसीय पशु प्रबन्धन प्रशिक्षण रखा गया । जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	प्रशिक्षण दिनांक	महिला	पुरुष	कुल
1.	दिनांक : 23 जनवरी 2020	01	19	20
2.	दिनांक : 11–12 फरवरी 2020	42	21	63
	कुल	**43**	**40**	**83**

पशु स्वास्थ्य व टीकाकरण शिविर का आयोजन : पशुपालन विभाग ,बीकानेर से साथ मिलकर पशुओं के टीकाकरण ,स्वास्थ्य जांच व निःशुल्क दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

क.स.	स्थान	दिनांक	पशुपालक	कुल भेड व बकरी
1.	राजासर भाटीयान	11 फरवरी 2020	16	1100
2.	नापासरीयां	20 मार्च 2020	20	2902
	कुल			**4002**

.परियोजना का लॉच व सीएफसी शिलान्यास कार्यक्रम : 11 फरवरी 2020 को राजासर भाटीयान व 12 फरवरी 2020 को कालू ग्राम पंचायत में सीएफसी शिलान्यास कार्यक्रम रखा गया। जिसमें संयुक्त राष्ट्र के FAO खादय एवं कृषि संगठन के प्रमुख तोमियो शिचरीव कोडा रेडी व राष्ट्रीय वर्षा सिचिंत क्षेत्र प्राधिकरण कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय डॉ.बी.रथ व सयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग,ए.के. गहलोत पर्व कुलपति कृषि विश्वविधालय डॉ. ओपी.यादव काजरी,आरपी.सिह कुलपति कृषि विश्वविधालय,बीकानेर ,डॉ.आर.के. सांवत एनआरसीसी. ,अरविन्द ओझा सचिव उरमूल ट्रस्ट सेल्को से रोशन व एचडीएफसी से अर्पणा इस कार्यक्रम शामिल हुए।

क.स.	स्थान	दिनांक	महिला	पुरुष	कुल
1.	राजासर भाटीयान	11.02.2020	260	310	570
2.	कालू	12.02.2020	04	25	29
	कुल		**264**	**335**	**599**

फैसिग कार्य : सीएफसी राजासर भाटीयान में 40 बीघा चरागाह जमीन पर फरवरी 2020 में फैसिंग व गेट निमार्ण का कार्य पूण कर लिया गया।

चारा नर्सरी का फैसिग कार्य : लुनकरणसर उरमूल सेतू केम्पस मे चारा नर्सरी का फैसिंग कार्य व खाद् व समललीकरण का कार्य किया गया।

पैरवी स्तर के कार्य :

1. चरागाह व सीएफसी के लिए 4 लोकेशन की पैरवी कर अनुमति के लिए जिला कलेक्टर महोदय से आदेश करवाया गया।
2. ग्राम पंचायत के संरपचो से पैरवी कर 4 लोकेशन का अनापति पत्र जारी करवाया।
3. संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग,बीकानेर से आदेश करवाया।
4. 4 लॉकेशन पर बोर्ड लगवाये गये।
5. श्रीमान माननीय केन्द्रीय भारी उधोग राज्य मंत्री एंव संसदीय कार्य मत्री ,भारत सरकार से श्री अजुर्न राम जी मेधवाल से मांग करने पर ग्राम पंचायत ,कालू सीएफसी के लिए टूवेल की स्वीकृति जारी की है।
6. सयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग,बीकानेर से पैरवी कर पशु स्वास्थ्य केम्प लगाकर 4002 भेड व बकरीयो की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवाईया दी गई।
7. ग्राम पंचायत ,कालू की सामूहिक सहकारी समिति के अधिन 150 बीघा जमीन के अनापति पत्र जारी करवाया व सीएफसी बनाने की स्वीकृति ली गई।
8. ग्राम पंचायत ,कालू की सामूहिक सहकारी समिति के अधिन जमीन का सीमा ज्ञान के लिए जिला कलेक्टर महोदय से सीमाज्ञान के लिए आदेश करवायां।

मरूगंधा परियोजना

परियोजना का नाम	मरूगंधा परियोजना
परियोजना का कार्यक्षेत्र	पोकरण उपखंड, जैसलमेर जिले की 5 ग्राम पंचायतों के 14 गाँव।
वितीय सहयोग	एच.डी.एफ.सी बैंक–सी.एस.आर.मुम्बई
परियोजना प्रारम्भ	अप्रेल–2019
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019 – मार्च 2020

थार रेगिस्तान में आवश्यकताओं का प्राथमिकीकरण करते हुए उनका स्थाई आजीविका संवर्धन के द्वारा समावेशी विकास तथा क्षेत्र की चुनौतियों का स्थाई समाधान लिए मरूगंधा परियोजना अप्रेल 2019 से संचालित है।

परियोजना के उद्देश्य :

- 0–3 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति परिजनों और समुदाय में जागरूकता लाना।
- 3–6 वर्ष तक के बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु आंगनबाडी केन्द्रों को विकास करना।
- युवाओं विशेष रूप से किशोरी बालिकाओं में जीवन कौशल, यौन व प्रजनन जागरूक करना।
- बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता हेतु समूहों को मजबूती प्रदान करना व जागरूकता लाना।
- आंगनबाडी एवं विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण और रचनात्मक शिक्षा हेतु वातावरण तैयार करना।
- शिक्षक व विद्यार्थी कौशल विकास व सरकारी विद्यालयों को आदर्श रूप में विकसित करना।
- किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी नेपकिन बनाने और उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान करना।
- प्रासंगिक शिक्षा हेतु विद्यालयों और पुस्तकालयों का विकास करना।
- बुनकरों व ऊंटपालकों में व्यापारिक क्षमतावृद्धन एवं व्यापार बढावे हेतु बाजार से जुड़ाव करवाना।
- महिलाओं में वित्तीय साक्षरता व बैंकिग हेतु क्षमतावर्द्धन एवं प्रारंभिक वित्तीय सहायता उपलब्धता।
- बुनकरों और कारीगरों को उरमूल के आयवर्द्धन कार्यक्रम से जोड़ना।
- पारंपरिक जलस्त्रौतो के संरक्षण और उपयोगिता हेतु समुदाय को जागरूक करना।
- इको टूरिज्म को बढावा देना व कला मंच के माध्यम से जागरूकता लाना।

परियोजना के तहत आयोजित की गई गतिविधियों का विवरण :

कैमल कलस्टर विकास :

ऊँट पालकों को जोड़ने हेतु बैठकें व सम्पर्क : ऊंटपालन, संरक्षण, उत्पाद, दूध संकलन एवं दुग्ध संकलन केन्द्र आदि पर समझ विकसित करने के साथ ही प्रशिक्षण व बैठकों का आयोजन। विवरण निम्न प्रकार है :

क.स.	गांव	जगरूकता कार्यक्रम	ऊंटपालक संख्या	सम्भागी
1.	13	14	283	283

ऊंट पालक प्रशिक्षण : खेतोलाई एवं पोकरण में दो–दो दिवसीय तीन प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षणों में ऊंटपालको को दूध संकलन केन्द्र, दूध की गुणवत्ता एवं स्वचछता को सुनिश्चित करने को लेकर प्रशिक्षित किया गया। इस प्रकार से आयोजित 03 प्रशिक्षणों में कुल 191 सम्भागियों ने भाग लिया।

ऊंटनी दूध केन्द्र विकसित करना : खेतोलाई में ऊंटनी के दूध के संग्रहण हेतु केन्द्र विकसित किया गया। इस केन्द्र पर दूध संग्रहण हेतु बीएमसी स्थापित की गई। केन्द्र से 283 परिवार लाभान्वित होगे।

पशुपालक कौशल विकास प्रशिक्षण : ऊंट पालकों व युवाओं को ऊंट संरक्षण व दूध, बाल एवं चमड़े से तैयार होने वाले उत्पादों की जानकारी देने हेतु तीन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इन 03 प्रशिक्षणों में कुल 151 सम्भागियों ने भागीदारी की।

पशु स्वास्थ्य व टीकाकरण शिविर : ऊंट बाहुल्य वाले गॉवों में पशु स्वास्थ्य व टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया गया। इन आयोजित 20 शिविरों में कुल 16509 पशुओं की जॉच करके दवाई दी गई।

समुदायिक सामान्य स्वास्थ्य जॉच शिविर : 14 गांवों 18 सामान्य स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन गांव स्तर पर किया गया। इस प्रकार आयोजित 18 स्वास्थ्य शिविरों में कुल 1610 लाभार्थियों ने भाग लिया।

बायो गैस व वेस्ट कम्पोजिट यूनिट : खेतोलाई गांव में पशुओं की ज्यादा संख्या को ध्यान में रखते हुए महिला समूह सदस्यों को रोजगार उपलब्धता हेतु गॉव में बायो गैस व वेस्ट कम्पोजिट यूनिट स्थापित की गई। इस यूनिट से गांव के 04 परिवार प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।

शिक्षा कार्यक्रम :

अभिभावकों का आमुखीकरण और अनियमित बच्चों का चिन्हिकरण : शिक्षा की जागरूकता एवं शिक्षा से वचिंत बालक और बालिकाओं के चिन्हिकरण हेतु सर्वे किया। जिसका विवरण इस प्रकार से है

सर्वे किये गये गांवो	चिन्हित बच्चों की संख्या	नियमित विद्यार्थियों की संख्या
14	353	310

विद्यालयों से वचिंत बच्चों हेतु ब्रिज कोर्स संचालन : बच्चों की नियमितता एवं शैक्षिक स्तर सुधार हेतु शिक्षा विभाग के सहयोग से तीन माही ब्रिज कोर्स संचालित किया। लाभार्थी विवरण इस प्रकार है :

ब्रिज कोर्स की संख्या	लाभार्थियों का विवरण		
	बालक	बालिका	योग
1	17	18	35

विद्यालय प्रबंधन समिति क्षमतावर्द्धन : शिक्षा सुधार हेतु विद्यालयों में गठित विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ बैठकें कर समिति का क्षमतावर्द्धन किया। सम्भागियों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	बैठकों की संख्या	संभागी
1	26	310

बच्चों के विकास को बढावा देना तथा गांव स्तर पर नियमित गतिविधियां करना

बालिका समूह गठन व सशक्तिकरण : बालिकाओं के विकास एवं शिक्षा से जोड़ने हेतु गतिविधियां जैसे खेल–कूद प्रतियोगिता, बालिका मेला, चित्रकारी आदि किये गये। बैठकों की जानकारी निम्न है :

क्र.स.	बालिका समुहों की संख्या	बैठकों की सख्या	लाभार्थियों की संख्या
1	14	168	249

मॉडल विद्यालय के रूप में विकासित करना : ग्राम पंचायत केलावा स्थित राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय को बाल कॉन्सेप्ट मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित किया। इसके अंतर्गत विद्यालय के चार कक्षा कक्षों में ज्ञानवर्द्धन चित्रकारी,कम्प्यूटर लैब हेतु कम्प्यूटर, खेल सामग्री, पुस्तकालय पुस्तकें, कचरा पात्र, बालिका शौचालय मरम्मत करवाकर उसमें सेनेटरी डिस्पोज मशीन, पानी पीने की प्याऊ की मरम्मत आदि कार्य करवाएं गए। इस कार्य से कुल 357 बच्चे सीधे रूप से लाभान्वित होगे।

विद्यालयों में सेनेटरी कॉम्पलेक्स निर्माण : बालिकाओं को मासिक धर्म के दौरानें होने वाली परेशानियों से निजात दिलवाने हेतु दो विद्यालयों राजकीय माध्यमिक विद्यालय चाचा एवं केलावा में विद्यालय के सहयोग से बालिका शौचालयों में सेनेटरी कॉम्प्लेक्स तैयार करवा कर सेनेटरी डिस्पोज मशीन लगवाई। इस कार्य से कुल 350 लाभार्थी सीधे रूप से लाभान्वित होगे।

विदयालयों में खेल सामग्री वितरण : खेल द्वारा बालिकाओं को विकास के अवसर, खेलों में रूचि हेतु विद्यालयों में बालिकाओं को खेल सामग्री वितरित की गई। सामग्री से लाभार्थियों की संख्या निम्न है :

क.स.	खेल सामग्री वितरित विद्यालय	लाभार्थी
1	14	1177

सूचना प्रोद्योगिकी केन्द्र निर्माण : तकनीकी शिक्षा के प्रति रूचि जागृत हेतु दो विद्यालयों राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खेतोलाई व केलावा में केन्द्रों का निर्माण विद्यालय द्वारा किया गया। इन केन्द्रों पर एक–एक कम्प्यूटर लगाया। इससे कुल 674 बालक–बालिकाएं सीधे रूप से लाभान्वित होगे।

ज्ञानवर्द्धन पुस्तकों का वितरण : बच्चों में पढने की रूचि जाग्रत करने हेतु सरकारी विद्यालयों व बालिका मंचों को ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों का वितरण किया गय। लाभार्थी विवरण इस प्रकार है :

क.स.	विधालय/मंच संख्या	पुस्तक संख्या	लाभार्थी
1.	17	1130	2938

विद्यालयों में शौचालय निर्माण व मरम्मत : खुले में शौच मुक्त वातारण व स्वच्छता हेतु शौचालय निर्माण व मरम्मत करवाया। शौचालय निर्माण एवं मरम्मत कार्यो का विवरण निम्न प्रकार है :

क्र.स.	विद्यालयों की संख्या	शौचालयों की संख्या	लाभार्थी
1	2	2	464

मॉडल आंगनवाडी केन्द्रों का निर्माण : प्रारम्भिक शिक्षा में बढावा हेतु चार गांवो के आंगनवाडी केन्द्रो को बाल अधिकारिता विभाग के सहयोग से मॉडल के रूप में विकसित किया। विवरण इस प्रकार है :

क.स.	मॉडल आंगनबाडी केन्द्र	लाभार्थी
1	4	160

इको टूरिज्म विकास

परिवार चयन व चयनित परिवारों का प्रारम्भिक प्रशिक्षण : समुदाय आधारित पर्यटन को विकसित करने हेतु परियोजना क्षेत्र के सभी गांवों में ग्रामीणों से चर्चा कर, गांव–घर आधारित टूरिज्म के अवसरों को देखा गया। इसके बाद 03 गावों से 10 गरीब परिवारों का चयन करके उनमें इको टूरिज्म की समझ विकसित करने एवं आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण करवाया। प्रशिक्षणों का विवरण निम्न प्रकार है :

क्र.स.	प्रशिक्षणों की संख्या	लाभार्थी
1.	03	60

इको टूरिज्म हब व समन्वय केन्द्र निर्माण : इको टूरिज्म हेतु आमुखीकरण तथा कार्यक्रम की मॉनिटरींग हेतु उरमूल पोकरण कैम्पस को टूरिज्म हब व समन्वय केन्द्र के रूप में विकसित किया गया।

इको टूरिज्म हेतु परिवारों को बुनियादी ढांचा सहयोग : 03 गांवो में चयनित 10 परिवारों के आवासों में टूरिज्म की न्यूनतम आवश्यकता युक्त बनाने एवं पर्यटकों की सुविधा हेतु सहयोग किया। लाभार्थियों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क्र.स.	बुनियादी ढांचा सहयोग	लाभार्थी
1	10	50

उच्च स्तरीय आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण : चयनित परिवारों को पर्यटन क्षेत्र में दक्षता हेतु परिवारों का उच्च स्तरीय आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रशिक्षण विवरण निम्न प्रकार है :

क्र.स.	प्रशिक्षणों की संख्या	लाभार्थी
1	04	45

सामुदायिक पर्यटन हेतु मार्केट लिकेंज : सामुदायिक पर्यटन को बढावा देने, बाजार से जुडाव व प्रचार–प्रसार के लिए जैसलमेर जिला स्तर पर विभिन्न होटल व्यावसायियों, मरू महोत्सव–2020 में भागीदारी की। टूरिज्म कार्यक्रम की वैब साईड, ब्रौसर, प्रचार–प्रसार सामग्री भी तैयार की जा रही है।

लोक कलाकारों समूह निर्माण व प्रशिक्षण : लोक कला संस्कृति को पुर्नजीवित हेतु कलाकारों को मंच उपलब्धता एवं उनका समूह बनाकर उन्हे प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण विवरण निम्न प्रकार है :

क्र.स.	प्रशिक्षण	संभागी लोक कलाकार
1	2	50

आर्ट क्राफ्ट विकास

क्राफ्ट, गांव व लाभार्थी चयन व महिलाओं का हस्तकला प्रशिक्षण : महिलाओं का क्राफ्ट से आयवर्द्धन हेतु चाचा, थाट व गोमट गाँव में बुनाई एवं कट वर्क कार्य सीखाने हेतु महिलाओं के साथ बैठक कर सर्वे व चयन किया। सर्वे उपरांत थाट गांव में बुनाई कलस्टर, चाचा व गोमट में कट वर्क कलस्टर तय किया गया। तीनों गांवों में 100 महिलाओं का चयन किया गया। कट वर्क, राली प्रशिक्षण में दक्ष प्रशिक्षक द्वारा कट वर्क का प्रकार, उपयोगिता व कार्य के दौरान सावधानियों के बारे में बताया। महिलाओं को साधारण कपड़े पर तुरपाई व कट वर्क उत्पाद जैसे चश्मा व कुशन कवर,। भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार है :

क्र.सं.	क्राफ्ट प्रशिक्षण का नाम	स्थान	अवधि	संभागी
1.	कट वर्क राली	चाचा	15 दिवसीय	30
2.	कट वर्क राली	थाट	15 दिवसीय	18
3.	कट वर्क राली	गोमट	15 दिवसीय	31
4.	बुनाई प्रशिक्षण	थाट	21 दिवसीय	11
5.	बुनाई प्रशिक्षण	थाट	21 दिवसीय	17
कुल				107

महिलाओं का हस्तकला रिफ्रेशर प्रशिक्षण : महिलाओं का क्राफ्ट में क्षमतावर्द्धन हेतु प्रथम चरण का प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं हेतु सात दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण करवाया। जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्र.सं.	क्राफ्ट प्रशिक्षण का नाम	स्थान	अवधि	संभागी
1.	कट वर्क राली	चाचा	7 दिवसीय	30
2.	कट वर्क राली	गोमट	7 दिवसीय	41
3.	बुनाई प्रशिक्षण	थाट	7 दिवसीय	11
4.	बुनाई प्रशिक्षण	थाट	7 दिवसीय	21
कुल				103

क्राफ्ट सेन्टर का निर्माण : क्राफ्ट में प्रशिक्षित महिलाओं को अपना कार्य करने के लिए ऐसा स्थान उपलब्ध हो जहां उन्हे सभी प्रकार की सुविधाएं मिल सके तथा वे अपना कार्य निसंकोच एक साथ बैठकर कर सके, इसको ध्यान में रखते हुए गांव थाट,गोमट व चाचा में सार्वजनिक भवन को क्राफ्ट सेन्टर के रूप में विकसित किया गया। विकसित सेन्टर से लाभान्वितों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	क्राफ्ट सेंटर	लाभार्थी
1	03	103

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन :

जल संरक्षण और वर्षा जल संरक्षण हेतु टांका निर्माण व टांका मरम्मत : परियोजना अंतर्गत जल संरक्षण से वर्षा जल संरक्षण पर कार्य किया। टांका निर्माण एवं मरम्मत कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क.स.	टांकों का प्रकार	निर्माण	लाभार्थी परिवार	लाभार्थी सदस्य
1.	टांका निर्माण	38	38	190
2.	टांका मरम्मत	52	52	260
कुल		**90**	**90**	**450**

सामुदायिक जल स्रोतों की खुदाई व साफ–सफाई : जल संरक्षण की महत्ता को ध्यान में रखते हुए पारम्परिक सामुदायिक जल स्रोत थाट की रांभोलाई नाड़ी और बड़ली नाथूसर के कोठोलाई तालाब खुदाई का कार्य करवाया गया। जिसमें पंचायत का सहयोग रहा। लाभन्वित विवरण निम्न प्रकार से है :

क्र.सं.	गांव	प्रत्यक्ष लाभार्थी	अप्रत्यक्ष लाभार्थी
1	2	256	12000 जन मानस एवं पशुधन

विद्यालयों में पानी टांका मरम्मत : बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता हेतु पूर्व निर्मित टांकों का पुननिर्माण,मरम्मत व छत से जोडनें हेतु कार्य किया। टांका निर्माण लाभार्थी विवरण निम्न प्रकार है

क्र.सं.	विद्यालय	टांका मरम्मत	लाभार्थी
1.	04	04	825

स्वयं सहायता समूहों का गठन एवं मासिक बैठक : महिला आत्मनिर्भर हेतु एस.एच.जी. गठन व गठित समूह की मासिक बैठकों का आयोजन किया। स्वंय सहायता समूहों का विवरण निम्न प्रकार है :

क.स.	स्वयं सहायता समुह	सदस्य	बैठकों की संख्या
1	14	219	160

किचन गार्डन विकास : वंचित एवं गरीब परिवारो के स्वास्थ्य व पोषण गुणवत्ता बढ़ाने हेतु किचन गार्डन के रूप में विकसित करने का कार्य किया गया। चिन्हित परिवारों को घर में खाली जमीन पर सब्जी उगाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। किचन गार्डन कार्य से लाभार्थी विवरण निम्न प्रकार है :

क.स.	लाभाथी परिवार	लाभार्थी जनसंख्या
1.	150	750

अजोला पिट विकास : पशुपालन लोगों की आय का मुख्य स्रोत है लेकिन पशुपालकों के लिए हरे चारे की उपलब्धता एक मुख्य समस्या हैं। हरे चारे की समस्या के निदान के लिए अजोला घाास के पिट तैयार कर चिन्हित परिवारों में अजोला घास पिट तैयार करवाएं। कार्यक्रम लाभार्थी विवरण इस प्रकार है

क्र.सं.	अजोला वितरण	लाभार्थी
1.	75	375

ठोस और तरल कचरा प्रबंधन प्रशिक्षण : ग्राम पंचायत को कचरा मुक्त बनाने हेतु ठोस और तरल कचरा प्रबंधन पर सरकारी सूचकों, जन प्रतिनिधियों, विद्यालय प्रबंधन समिति, महिला समूहों, ग्राम विकास कमेटी का प्रशिक्षण करवाया गया। इन प्रशिक्षणों का विवरण निम्न प्रकार है :

क्र.स.	प्रशिक्षण	संभांगी
1	5	289

कोरोना महामारी के दौरान मास्क वितरण : महामारी से बचाव के तरीकों की जानकारी दी। लक्ष्य समूह में मास्क की जरूरत के मुताबिक प्रशासन से स्वीकृति लेकर 05 ग्राम पंचायतो के 14 गांवो मे 11,000 कपडे के मास्क बनाकर ग्रामीणों, सरकारी विभागों एवं प्रवासियों को निशुल्क वितरित किये गये।

शादी : बच्चों का खेल नही

परियोजना का नाम	शादी : बच्चों का खेल नहीं
परियोजना का कार्यक्षेत्र	ओसियां, जिला–जोधपुर
वितीय सहयोग	सेव द चिल्ड्रन
परियोजना प्रारम्भ	जुलाई 2018
प्रतिवेदन अवधि	अप्रेल 2019–मार्च 2020

परियोजना परिचय : बालिकाओं के शैक्षिक, जीवन कौशल विकास एवं सशक्तिकरण करने के उद्‌देश्य के साथ बाल विवाह रोकने के प्रति बालिकाओं एवं जन समुदाय में जागृति के माध्मय से समझ विकसित करने के साथ ही युवाओं को यह समझ विकसित करने का प्रयास किया जाता है कि युवा कब व किस परिस्थिति मे शादी करे, जो कि उनके जीवन विकास में किस भी तरह से बाधक ना हो।

परियोजना का उद्‌देश्य :

- समाज में बालिका शिक्षा को बढावा देना।
- शिक्षा से वंचित बालिकाओं को उनकी उम्र के अनुसार कक्षा में प्रवेश का अधिकार दिलवाना।
- शाला प्रबन्धन समितियों को बालिका शिक्षा के प्रति जबाबदेह बनाना।
- बालिकाओं को पढाये जाने वाले विषयों व जेण्डर पर मजबूत समझ बनाना।
- बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए अभिभावकों को प्रेरित करना व बालिकाओं से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी देना।
- बालिकाओं में अपने भविष्य के प्रति निर्णय लेने के लिए आत्मविश्वास को बढाना।
- बालिकाओं को बिना भेदभाव के समानता के अवसर प्रदान करने के लिए माहौल पैदा करना।
- बालिकाओं को बाल विवाह के विरूद्व जागरूक करना।
- युवा यह तय करने मे सक्षम हो कि वे कब व किस परिस्थिति मे शादी करे।

किशोर–किशारी समूहों के लीडरस् के साथ पाक्षिक बैठक आयोजन : गठित किशोर–किशोरी समूह लीडरस् के साथ पाक्षिक बैठकों का आयोजन किया जाता है। पाक्षिक बैठकों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	विवरण	आयोजित बैठक	संभागी				
			लडकिया–वर्ष 15–18	लडकिया 19 वर्ष व +	लडके–वर्ष 15–18	लडके 19 वर्ष व +	कुल
1.	पाक्षिक बैठक	161	4466	2213	78	190	6947
कुल		**161**	**4466**	**2213**	**78**	**190**	**6947**

ललिता बाबू जीवन कौशल विकास : किशोर–किशोरियों के लिए जीवन कौशल विकास एवं शिक्षा को लेकर ललिता बाबू जीवन कौशल विकास एवं शिक्षा सत्र् का आयोजन किया गया। जिसका विवरण इस प्रकार से है :

क.स.	विवरण	आयोजित सत्र्	संभागी				
			लडकिया–वर्ष 10–14	लडकिया 15–19 वर्ष	लडके–वर्ष 15–19	लडके 10–19 वर्ष	कुल
1.	नये सत्र्	1286	8142	7713	1076	790	17721
2.	रिविजन सत्र्	1336	9818	6730	895	619	18062
	कुल	**2622**	**17960**	**14443**	**1971**	**1409**	**35783**

यौन प्रजनन एवं स्वास्थ्य अधिकार सत्र्रों का आयोजन : प्रतिवेदन अवधी के तहत चर्चा नेताओं के द्वारा यौन प्रजनन एवं स्वास्थ्य सत्र्रों का आयोजन किया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	विवरण	आयोजित सत्र	संभागी			
			लडकिया–वर्ष 15–19	लडकियो का मिक्स ग्रुप 10–19 वर्ष	लडके–वर्ष 15–19	कुल
1.	नये सत्र	657	7412	610	917	8939
2.	रिविजन सत्र	632	6946	803	909	8658
	कुल	**1289**	**14358**	**1413**	**1826**	**17597**

किशोर–किशोरी समूहों की मासिक बैठकों का आयोजन : परियोजना के तहत गठित किशोर–किशोरी समूहों की नियमित मासिक बैठकों का आयोजन किया जाता है। जिसका विवरण इस प्रकार से है :

क.स.	विवरण	आयोजित बैठक	संभागी				
			लडकिया–वर्ष 10–14	लडकिया 15–19 वर्ष	लडके–वर्ष 15–19	लडके 10–19 वर्ष	कुल
1.	मासिक बैठक	1036	6573	6264	813	588	14238
	कुल	**1036**	**6573**	**6264**	**813**	**588**	**14238**

यौन प्रजनन एवं स्वास्थ्य अधिकार जानकारी : सूचना प्रसार केन्द्र के माध्मय से यौन प्रजनन एवं स्वास्थ्य अधिकार, रेफरल प्रणाली, आरटीआई/एसटीआई पर जानकारी एवं परामर्श प्रदान एवं विभिन्न सेवाओं पर ज्ञान को बढाने के लिए किशोरों के द्वारा सूचना प्रसार केन्द्र का दौरा किया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है

क.स.	सूचना प्रसार केन्द्र का नाम	किशोरी संख्या
1.	थोब, जोधपुर	104
2.	ओसिया ,जोधपुर	176
3.	बैठवासिया , जोधपुर	129
4.	भैरूसागर, जोधपुर	111
कुल		**520**

किशोरी बालिकाओं के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन : लडकियों की भागीदारी विशेष रूप से लडकियों के लिए नवीन एवं रोचक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला बनाई गई थी। ये गतिविधियां बाल अधिकारों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय एवं सप्ताह के अवसर पर आयोजित की गई। जैसे : राष्ट्रीय बालिका दिवस, बालिका दिवस, यू.एन.सी.आर.सी.सप्ताह,एवं बाल विवाह पर नाटक मंचन कार्यक्रम आयोजन में भागीदारी की गई। इनमें 1134 किशोरियों, शिक्षकों एवं परियोजना दल के सदस्यों ने भाग लिया। इन गतिविधियों को जन समुदाय के करीब 1075 लोगो के द्वारा देखा गया।

खेलकूद, भाषण एवं नुक्कड नाटक : जीवन कौशल विकास क्षमता हेतु किशोरों को सक्षमता के लिए खेल एवं नाटक इत्यादि का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में 6336 किशोरों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

विधालय प्रबन्धन समिति : विधालय प्रबन्धन समिति में परियोजना दल के सदस्यों के द्वारा भागीदारी करके प्रबन्धन समिति को सक्रिय बनाने हेतु प्रयास के साथ ही विधालय में बालिकाओं के लिए अलग से शौचालय, विधालय चारदीवारी, प्रचार प्रसार सामग्री, विशालयों में लडकियों की सुरक्षा एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई। विधालय प्रबन्धन समिति बैठकों में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है

क.स.	विवरण	बैठक संख्या	सहभागिता विवरण				
			पुरूष	महिला	लडके	लडकिया	कुल
1.	विधालय प्रबन्धन समिति बैठक	13	94	59	12	10	175

वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण :

क.स.	विवरण	संभागी–लडकिया
1.	वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण	11
कुल		**11**

बाल संरक्षण समिति एवं ग्राम स्वास्थ्य,स्वचछता एवं पोषण समिति सुदृढीकरण :

क.स.	विवरण	बैठक संख्या	सहभागिता का विवरण				
			पुरूष	महिला	लडके	लडकियां	कुल
1.	गांव स्तरीय बाल संरक्षण समिति	292	1598	2704	341	592	5235
2.	ग्राम पंचायत बाल संरक्षण समिति	2	3	20	2	5	30
3.	ग्रामस्वास्थ्य,स्वच्छता व पोषण समिति	2	3	20	2	5	30
कुल		**296**	**1604**	**2744**	**345**	**602**	**5295**

यौन प्रजनन, स्वास्थ्य अधिकार एवं बाल विवाह विषय प्रशिक्षण :

क.स.	विवरण	प्रशिक्षण स्थान	संभागी
1.	यौन प्रजनन, स्वास्थ्य अधिकार एवं बाल विवाह विषय प्रशिक्षण	ओसिया	600
कुल			**600**

बाल संरक्षण व स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण योजना का निर्माण : बाल संरक्षण समिति व स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्यों के द्वारा गांव स्तर पर कमजोर बच्चों की पहचान की और सर्वेक्षण के आधार पर बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए 05 वीएलसीपीसी के द्वारा वार्षिक योजना विकसित की गई।

किशोर मित्रवत केन्द्र का भम्रण : किशोरों के अनुकुल यौन प्रजनन एवं स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के उदद्देश्य से 439 किशोरी लडकियों के द्वारा सूचना प्रसार केन्द्र का दौर करके लडकियों एवं महिलाओं के हीमाग्लोबिन को चेक करने के साथ ही बच्चों का वजन भी मापा गया। इसके अलावा जोधपुर में सूचना प्रसार केन्द्र के माध्यम से यौन प्रजनन एवं स्वास्थ्य अधिकार के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यशाला का आयोजन : बाल विवाह, लिंग भेदभाव, बालिका शिक्षा, स्कूल के प्रति धारणा और लैंगिक समानता बनाने में किशोर–किशोरी समूहों की संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	विवरण	ग्राम पंचायत संख्या	सहभागिता का विवरण		
			पुरूष	लडके	कुल
1.	कार्यशाला आयोजन	5	46	425	471
कुल		**5**	46	425	471

पंचायतीराज सदस्यों का आमुखीकरण : बाल विवाह एवं बालिकाओं तथा महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दों पर जानकारी के माध्यम से समझ विकसित एवं पंचायतीराज में इन मुद्दों को प्राथमिकता के साथ लागू किये जाने के लिए 05 ग्राम पंचायत के पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आमुखीकरण कार्यक्रम में 15 पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

कानून प्रवर्तन संस्थानों का भम्रण : परियोजना के तहत किशोर–किशोरियों को विभिन्न कानून प्रवर्तन संस्थाओ का भ्रमण करवाया गया। जिसमें भागीदारी विवरण इस प्रकार से है

क.स.	विवरण	सहभागिता विवरण		
		किशोर	किशोरी	कुल
1.	भ्रमण कार्यक्रम	00	252	252
कुल		**00**	**252**	**252**

मरुधरा में जल स्वावलम्बन कार्यक्रम

परियोजना का नाम	मरूधरा में जल स्वावलम्बन कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	श्रीडूंगरगढ ब्लॉक, बीकानेर
वितीय सहयोग	यूरोपियन यूनियन द्वारा उन्नती संस्थान
परियोजना प्रारम्भ	अगस्त 2019
प्रतिवेदन अवधि	अगस्त 2019—मार्च 2020

कार्यक्रम के प्रमुख उद्‌देश्य :

- प्राकृतिक जल स्रोतो का चिन्हिकरण एवं संरक्षण तथा निर्माण।
- वर्षा का जल संरक्षण करने के लिए जागरुकता बढाना।
- सामूदाय की भागीदारी से जल स्रोतो को तैयार करना।
- जल स्रोतो देंखभाल करने के लिए सामुदायिक भागीदारी बढाना।
- ग्राम पंचायत विकास प्लान(GPDP) हेतु प्रस्ताव तैयार करवा कर जल संरक्षण समिति के माध्यम से ग्राम पंचायतो को देना।

परियोजना का लॉच : बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ ब्लॉक की 15 ग्राम पंचायतों के 30 गांवो मे 1 अगस्त 2019 में शुरू किया गया। सर्वप्रथम श्रीडूंगरगढ ब्लॉक के 30 गांवो में समुदाय के साथ बैठके कर मरुधरा में जल स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई एवं गांवो में प्राकृतिक जल स्रोतो की समुदाय के साथ मिलकर मैपिग की गई तथा गांवो के लोगों को प्राकृतिक जल स्रोतो के महत्व के बारे में बाताय गया कि आने वाले समय में प्राकृतिक जल स्रोतों को कैसे संरक्षण किया जा सकता है तथा समुदाय के लोग मिलकर कैसे जल स्रोतो का रख रखाव कर सकते व प्राकृतिक जल स्रोतो के प्रति लोगो को जागरुक करने के लिए उन्नती संस्थान के द्वारा तैयार एवं प्रसारित रेडियो कार्य्रक्रम के पोस्टरो के माध्यम से प्रचार—प्रसार किया गया।

बैसलाईन सर्वे : परियोजना संचालित क्षेत्र के 30 गांवो में परियोजना के तहत कार्यरत टीम के द्वारा 200 परिवारों का प्रत्येक गांव में धर घर जाकर बैसलाईन सर्वे का कार्य किया गया है।

जल सरक्षण समितियों का गंठन : मरुधरा में जल स्वावलम्बन परियोजना के तहत क्षेत्र की 15 ग्राम पंचायतो एव 30 गांवो में समुदाय के साथ बैठके आयोजित कर प्राकृतिक जल स्रतो का रख रखाव व संरक्षण के लिए 30 गांवो में जल संरक्षण समितियों का गठन किया गया ओर जल सरक्षण समितियों के द्वारा प्राकृतिक जल स्रोतो के रख रखाव व नवीनीकरण के लिए ग्राम विकास प्लान बनाने का कार्य किया गया तथा लोगों को वर्षा जल सरक्षण के लिए प्रेरित किया गया त परियोजना के तहत गठित जल संरक्षण समितियों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	गतिविधि का नाम	समिति संख्या	महिला	पुरुष	कुल
1.	जल सरंक्षण समिति गठन	30	42	290	332

सेवा प्रदाताओं के साथ बैठक : मरुधरा में जल स्वावलम्बन परियोजना के तहत सेवा प्रदाताओं के साथ 30 गांवों में अगस्त 2019 से मार्च 2020 मे ग्राम विकास प्लान को लेकर सेवा प्रदाताओं को परियोजना के उद्‌देश्य के बारे मे बताया गया कि हमारा उद्‌देश्य शामलात संसाधनो जैसे : जोहड, तालाब, ओरण एवं गोचर इत्यादि के रख रखाव व उपयोगिता को लोग समझे व उनकी देखरेख करने के प्रति लोगो मे जागरुकता आये व इनको सहजकर रखने की भावना जागृत हो। बैठकों में भागीदारी का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	गतिविधि का नाम	कुल बैठक	महिला	पुरुष	कुल
1.	सेवा प्रदाता बैटक	28	130	140	270

ग्राम विकास प्लान प्रस्तुत किये : मरुधरा में जल स्वावलम्बन परियोजना के तहत जल संरक्षण समिति द्वारा तैयार किये गये GPDP प्लान ग्राम पंचायतो के साथ बैठक कर 30 ग्रावों मे जोहड, स्कूलो में शौचालय, भवन व चारदीवारी तथा उप स्वास्थ्य केन्द्र व व्यक्तिगत कुण्ड निर्माण कार्यो को नरेगा के तहत करवाने के लिए अगस्त 2019–अक्टूबर 2019 तक सभी 15 ग्रम पंचायतों को प्रस्तुत किया गया तथा जल संरक्षण समिति के माध्यम से दिये गये प्लान का नियमित रूप से फोलोउप भी किया गया। दिये गये प्रस्तावों का विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	ग्राम पंचायत को प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव	कुल
1.	जोहड प्रस्ताव	44
2	स्कूल प्रबन्धन समिति द्वारा शौचालय, भवन व चारदीवरी के प्लान	30
3	ग्राम स्वास्थ्य एंव स्वच्छता समिति द्वारा दिये गये प्लान	07
4	पीएम आवस व व्यकितगत कुण्ड निमार्ण के प्लान	75

ग्राम पंचायतो की बैठको मे भागीदारी : मरुधरा में जल स्वावलम्बन परियोजना के तहत के जल संरक्षण समिति द्वारा दिये गये ग्राम विकास प्लान का ग्राम पंचायतो की बैठक में निरन्तर फोलोउप का कार्य किया जा रहा है तथा नरेगा के तहत ज्यादा से ज्यादा बजट लगवानें व कार्य की गुणवता का भी समिति द्वारा निगरानी की जायेगी तथा पंचायतो को प्राकृतिक जल संसाधनो को पुर्नजीवित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में बैठकों की भागीदारी की जानकारी निम्न प्रकार से है :

क.स.	गतिविधि का नाम	कुल संख्या	महिला	पुरुष	कुल
1.	ग्राम पंचायत बैठको मे भागीदारी	05	250	30	280

यूथ प्रशिक्षण : मरुधरा में जल स्वावलम्बन परियोजना के तहत के युथ लोगों का एक दिवसीस प्रशिक्षण करवाया गया जिसमें पंचायतो को प्राकृतिक जल संसाधनो को पुर्नजीवित करने के लिए आगे आकर काय कर सके है। प्रशिक्षण में भागीदारी की जानकारी निम्न प्रकार से है :

क.स.	गतिविधि का नाम	प्रशिक्षण संख्या	महिला	पुरुष	कुल
1.	युथ प्रशिक्षण	01	01	32	33

जल सरक्षण समिति सदस्यों का प्रशिक्षण : मरुधरा में जल स्वावलम्बन परियोजना के तहत क्षेत्र की गठित जल संरक्षण समिति सदस्यो का एक दिवसीय प्रशिक्षण करवाया गया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	गतिविधि का नाम	प्रशिक्षण संख्या	महिला	पुरुष	कुल
1.	जल सरंक्षण समिति गठन	01	03	25	28

नये जनप्रतिनिधि एवं फर्टलाईन वर्कर का प्रशिक्षण : मरुधरा में जल स्वावलम्बन परियोजना के तहत परियोजना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण करवाया। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :

क.स.	गांम पंचायत का नाम	प्रशिक्षण संख्या	महिला	पुरुष	कुल
1.	बिन्जासर	01	08	34	42
2.	समन्दसर	01	12	26	38
3.	सत्तासर	01	09	32	42
4.	जेतासर	01	16	06	22
5.	सुरजनसर	01	09	27	36
	कुल	**05**	**54**	**125**	**179**

सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभान्वित : मरुधरा में जल स्वावलम्बन परियोजना के तहत गांवो में बैठकों के दौरान सरकार के द्वारा संचालित व्यक्तिगत लाभ की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। जैसे : पेंशन, पालनहार, छात्रवृति इत्यादि। सरकारी योजना पालनहार के तहत परियोजना क्षेत्र के गांवो में 04 परिवारों को लाभान्वित भी करवाया गया है।

द कैमल पार्टनरशिप कार्यक्रम

परियोजना का नाम	द कैमल पार्टनरशिप कार्यक्रम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर, जोधपुर एवं जैसलमेर
वितीय सहयोग	फ्रेडस् ऑफ वुमैन वर्ड बैंकिग-FWWB & RRAN
स्हयोगी संस्थाएं	राज.सरकार, सेल्को फाउन्डेशन, सेन्टर फॉर पास्टोरलिस्म, डेजर्ट रिर्सोस सेन्टर, बास्क रिसर्च फाउन्डेशन, ऐक्सिस बैंक फाउन्डेशन, वेटरनरी विश्वविधालय, सहजीवन, राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र एवं उरमूल सीमान्त
परियोजना प्रारम्भ	दिसम्बर 2019
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : इस परियोजना का संचालन पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर एवं जैसलमेर जिले में ऊंट वहां के लोगो के जीवन में परिवार जन की तरह है। मरूस्थल की कठिनाईयों में इस जीव ने अपनी जगह बनाई है। राजस्थान में इस पशु का अस्तित्व खतरे में है। थार रेगिस्तान में ऊंट आजीविका के पारंपरिक साधनों में प्रमुख रहा है। लेकिन समय के साथ–साथ ऊंट अपनी पहचान खोता गया। 2012 की पशु जनगणना में राजस्थान में ऊंटों की संख्या 3.26 लाख थी जो कि 2019 में घटकर 2.13 लाख रह गई है। इन स्थितियों को मध्यनजर रखते हुएं दिसम्बर 2019 से इस परियोजना का संचालन किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य : इस परियोजना के माध्यम से 6000 ऊंटपालकों की आजीविका के लिए समावेशी, जवाबदेह सहयोगी और स्थाई उद्यम पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन देना एवं इस पशु को जनसमुदाय के लिए आजीविका का एक मुख्य संसाधन बनाने की दिशा में पशुपालको को जागरूक करके उनकी समझ को विकसित करना।

परियोजना प्रगति विवरण :

गतिविधि आयोजन :

क.स.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम आयोजन	सम्भागी
1.	ऊटपालक गांव स्तरीय समिति बैठक	25	320
2.	ऊटपालक कलस्टर स्तरीय फेडरेशन बैठक	04	210
3.	ऊटपालक फेडरेशन गवर्निग बॉडी बैठक	01	40
4.	युवा प्रशिक्षण	01	30
5.	भ्रमण–सहजीवन एवं सरहद डेयरी, कच्छ–गुजरात	01	30
6.	प्रशिक्षण एवं भ्रमण,एल.पी.पीएस. व कैमल डेयरी, कुम्भलगढ	01	09
7.	वेबीनार मिटिग	02	250
कुल		**35**	**889**

एनर्जी इनोवेशन्स इन डेजर्ट इको सिस्टम

परियोजना का नाम	एनर्जी इनोवेशन्स इन डेजर्ट इको सिस्टम
परियोजना का कार्यक्षेत्र	बीकानेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर एवं जैसलमेर
वितीय सहयोग	सेल्को फाउन्डेशन-SELCO Foundation
स्हयोगी संस्थाएं	उरमूल सेतु ,उरमूल सीमान्त, ओरेकल, आर.आर.ए.एन. एवं एच.डी.एफ.सी.बैंक
परियोजना प्रारम्भ	सितम्बर 2019
परियोजना पूर्ण दिनांक	वर्तमान में परियोजना संचालन जारी है।

परियोजना परिचय : इस परियोजना का संचालन पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर एवं जैसलमेर जिले में सितम्बर 2019 से किया जा रहा है ताकि दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र के जन समुदाय को एनर्जी इनोवेशन की आवश्यकता, महत्व एवं उपयोगिता के बारे में समझ विकसित करते हुएं इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करते हुएं रोजगार के नये अवसरों की उपलब्धता को बढाया जा सके।

मुख्य उद्देश्य : मौजूदा सामाजिक उद्यम की मूल्य श्रृंखला में संतुलित एवं अक्षय ऊर्जा को लेकर निवेश को प्रोत्साहन देना, थार रेगिस्तान के समुदाय के लिए रोजगार के नये अवसरों का विकास करना एवं मौजूदा मूल्य श्रृंखलाओं कशीदाकारी, कृषि, डेयरी एवं पशुपालन को नवाचार के माध्यम से मजबत करना।

परियोजना प्रगति विवरण :

आधारा संरचना :

- उरमूल सेतु परिसर, लूणकरणसर में ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम के लिए विक्रेता की पहचान और अनुबंध किया गया है ताकि 2020 अन्त तक इस कार्य को पूर्ण कर लिया जावें।
- दुध संकलन के सुविधाओं के विस्तार कर बज्जू कें कार्य किया जा रहा है।
- ऊंटनी दुध के लिए प्रसंस्करण केन्द्र स्थापना का कार्य किया जा रहा है।

ग्रामीण शिल्प कला केन्द्र विकसित :

- चार स्थानों पर शिल्प केन्द्र विकसित के लिए स्थान का चयन एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा कर लिया गया है।
- चार शिल्प कला केन्द्र डण्डकला, 7 ए.डी. डेलीतलाई एवं 2 ए.डी. का कार्य शुरू हो चुका है।

सौलर इकाई स्थापना :

- सौर हथ करघा इकाईयों की स्थापना के लिए स्थान का चयन एवं आगे की कार्ययोजना तैयार की।
- सोलर सरसों तेल इकाई के लिए 507 हैड, लूणकरणसर में स्थान चिन्हित करके इकाई के लिए तकनिकी एवं विक्रेता को चिन्हित करके कार्य शुरू किया जा रहा है।

पशु चारा इकाई स्थापना :

- उरमूल सेतु परिसर, लूणकरणसर में चारा इकाई स्थापना के लिए स्थान चिन्हित करके इकाई के लिए आवश्यक तकनिकी की पहचान की गई है।

दूध प्रसंस्करण इकाई स्थापना :

- इकाई प्रारूप तैयार कर बिजनेस मॉडल एवं लागत विश्लेषण का कार्य किया गया है।
- मिल्क शेड निर्माण का मूल्यांकन करके कार्य शुरू कर दिया गया है।

दूध प्रसंस्करण इकाई स्थापना :

- हाइड्रोपोनिक इकाई स्थापना, सौर ऊर्जा आधारित फैसिंग और गाय डेयरी पर चल रहा है।

मावा बनाने की मशीन स्थापना : स्थान चिन्हित करके कार्य को करने हेतु चरणबद्व योजना तैयार की गई है।